हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 21 अप्रैल 2024

तापमान
अधिकतम 35.6 डिग्री
न्यूनतम 21.7 डिग्री

12 रंगारंग कार्यक्रमों में छात्राओं ने मचाई धूम

12 चुनाव पर नारा लेखन में दिखाया हुनर

खबर संक्षेप

चुलकाना धाम को बस रवाना

पानीपत। बाबा श्याम सेवा समिति द्वारा प्राचीन श्री देवी मन्दिर से चुलकाना धाम के लिए बाबा श्याम के दर्शन के लिए बस रवाना की गई। जिसमें मुख्य अतिथि हरियाणा पत्रकार संघ के अध्यक्ष विनोद पांचाल एवं ऊंची दुनिया सेवा संस्थान के कोषाध्यक्ष मोहन लाल पत्रकार व बाबा श्याम सेवा समिति के सदस्य ने नारियल फोडकर बस रवाना की। इस अवसर पर धर्मेंद्र इंसा, गोबिंद सैनी, अजय ठाकुर, राजिन्द्र, दिनेश मित्तल, ललित मित्तल, बाबा श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष पवन कंसल आदि उपस्थित रहे।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में आरोपी सचिन को पुलिस ने अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है।अब उसे एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अवैध हथियार लेकर रोटरी अस्पताल नजदीक दशहरा ग्राउंड जल घर के पास खडा है। इसी आधार पर पुलिस ने रेड कर आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उससे अवैध देसी पस्तौल व 2 जिंदा रौंद बरामद किए।

हेरोइन तस्करी में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना साहा क्षेत्र टी-प्वाइंट से पुलिस ने आरोपी मोहित को पन्नी सहित 12-75 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसे रिमांड पर लिया गया। आरोपी ने बतलाया कि बिहटा का रोहित कुमार भी उसके साथ इस कारोबार में संलप्ति है। अब पुलिस ने आरोपी रोहित कुमार को भी गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेज दिया गया है।

करनाल से खिलेंगे दो कमल, एक जाएगा दिल्ली, एक जाएगा चंडीगढ़ : नायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

■ किसानों की खराब फसल को लेकर कहा : किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है सरकार

■ पिछले 10 वर्षो से जिस तरह निरंतर देश और प्रदेश का विकास हो रहा है वह जारी रहेगा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ओलावृष्टि से किसानों की जो फसल खराब हुई है उसके क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने के आदेश दिए गए थे। फसल खराब का दौरा करने के लिए अधिकारियों को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

करनाल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करनाल में अपने प्रवास के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सरकार किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खडी है।

नायब सिंह सैनी करनाल में अपने प्रवास के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने लोकसभा व विधानसभा उप चुनाव को लेकर कहा कि करनाल से दो कमल के फूल खिलेंगे जिनमें से एक फूल मनोहर लाल दिल्ली लेकर जाएंगे और एक कमल का फूल चंडीगढ जाएगा। जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर पूरा विश्वास करती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षो से जिस तरह निरंतर देश और प्रदेश का विकास हो रहा है वह जारी रहेगा। भाजपा सरकार में विकास की गति नहीं रूकेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए प्रदेश की सेवा की अब सांसद बनकर भी वह जनता की सेवा करेंगे।

पत्रकारों के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस चुनाव में कहीं भी दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनता का पूरा समर्थन है। तीसरी बार भी मोदी जी को ही प्रधानमंत्री बनेंगे।

जनता के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही सरकार : सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं करनाल विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता को सुविधा देना सरकार का दायित्व है।

■ मुख्यमंत्री ने करनाल में भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की

सरकार लगातार जनता के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को करनाल के सेक्टर-8 में गौरव खुराना की ओर से आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

करनाल के सेक्टर-8 में आयोजित जनसभा में मंच पर मुख्यमंत्री नायब सैनी व अन्य।

इसके अलावा वे भाजपा कार्यकर्ता गोविंद शर्मा व नरेंद्र बाम्बा के निवास पर भी पहुंचे। उन्होंने आगामी लोकसभा व करनाल विधानसभा उप चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। मौके पर जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, निवर्तमान मेयर रेनू बाला गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता जगमोहन आनंद, संजय बठला, महामंत्री सुनील गोयल, राजबीर शर्मा, मंडल अध्यक्ष सुनील गुप्ता, पूर्व पार्षद वीर विक्रम सहित अन्य मौजूद रहे।

साइबर ठग ने महिला के खाते से निकाले 1. 41 लाख

खुद को बैंक कर्मी बताकर की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

■ -साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात पर किया केस दर्ज

क्रेडिट कार्ड एक्टिवेट करने के नाम पर साइबर ठग ने खुद को बैंक कर्मी बताकर चोपड़ा गार्डन निवासी शिनाक्षी अरोड़ा के खाते से एक लाख 41 हजार रुपये निकाल लिए। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार चोपड़ा गार्डन शिनाक्षी अरोड़ा ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 16 फरवरी को उसके मोबाइल पर अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि वह एक्सिस बैंक से बोल रहा है। आरोपी ने उसे कहा कि उसका क्रेडिट कार्ड एक्टिवेट होना है। यह बात कहकर आरोपी ने उसे अपने विश्वास में ले लिया। इसके बाद आरोपी ने उसके मोबाइल पर ओटीपी भेजा। बैंक कर्मी होने के विश्वास में उसने आरोपी को ओटीपी बता दिया। जैसे ही उसने आरोपी को ओटीपी बताया उसके क्रेडिट कार्ड से चार बार में एक लाख 41 हजार रुपये निकल गए। इसका पता चलते ही उसने आरोपी के नंबर पर फोन किया, लेकिन उसका नंबर बंद आया। जिसके बाद उसे ठगी का अहसास हुआ।

उसके खाते से आईडीएफसी बैंक के एक खाते में रुपये गए

उसने बैंक जाकर जांच कराई तो पता चला कि उसके खाते से रुपये आईडीएफसी बैंक के एक खाते में गए है। उसने इसकी शिकायत पुलिस को दी। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

चौथे दिन भी शंभू रेलवे स्टेशन ट्रैक पर जमे रहे किसान, 54 ट्रेनें रद्द

सहयोगी किसानों को रिहा करने की मांग कर रहे हैं किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

■ ट्रेन कैंसिल होने से यात्रियों को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है

शंभू रेलवे स्टेशन पर किसानों के धरने निरंतर जारी है। शनिवार को भी अंबाला कैंट से पंजाब और जम्मू-कश्मीर जाने वाला रेलवे ट्रैक पूरी तरह से जाम है। ट्रैक जाम होने के कारण दल्लिी और उत्तर प्रदेश की तरफ से हरियाणा होते हुए पंजाब और जम्मू-कश्मीर जाने वाली सभी ट्रेनें प्रभावित हैं। रेलवे ने किसान आंदोलन के चलते शनिवार को भी 54 ट्रेन कैंसिल करनी पड़ी। रेलवे ने इनकी लस्टि भी जारी की है। ट्रेन कैंसिल होने से यात्रियों को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने जेल में बंद किसानों की रिहाई को लेकर 22 अप्रैल को जींद में मीटिंग करके बड़ा ऐलान करने को कहा है।

रेलवे ट्रैक पर बैठे किसान। फोटो : हरिभूमि

■ धरनारत किसान बोले सरकार ने रिहाई नहीं की तो वे ट्रैक पर उतर आए

13 फरवरी से लगातार धरना दे रहे

बता दें कि किसान हरियाणा और पंजाब के खनौरी व शंभू बॉर्डर पर 13 फरवरी से लगातार धरना दे रहे हैं। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि देश में बेरोजगारी चरम सीमा पर है। सबसे बड़ी बेरोजगारी की मार है। खेती सेक्टर को कॉर्पोरेट को दिया जा रहा है। देश के लोकतंत्र को खत्म किया जा रहा है। देश के किसानों को राजधानी में जाने नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। ऐसे में सरकार किसानों को तुरंत मुआवजा जारी करे। कहा कि किसानों का बड़ा जत्था आज व्यास की तरफ गेहूं की कटाई के लिए रवाना होगा। किसान सरकार से युवा नेता नवदीप सिंह जलबेड़ा समेत 3 किसानों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में पहले उनकी हरियाणा और पंजाब सरकार से मीटिंग हुई थी, जिसके बाद रिहाई का भरोसा मिला था। जिसके बाद किसानों ने सरकार को 16 अप्रैल तक का समय दिया था। सरकार ने रिहाई नहीं की तो वे ट्रैक पर उतर आए।

इसके अलावा, किसानों ने पंजाब के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ का चैलेंज कबूल करते हुए 23 अप्रैल को किसान भवन चंडीगढ़ में भाजपा नेताओं का इंतजार करने को कहा है।

शोध नैतिक मूल्य आधारित और पक्षपात रहित होना चाहिए

थानेसर। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता रिसर्च विभाग द्वारा शनिवार को चिकित्सा अनुसंधान में आईईसी (संस्थागत आचार समिति) की भूमिका और जिम्मेदारी पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य वक्ता केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. रबिनारायण आचार्य रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने की। रिसर्च विभाग के अधिष्ठाता डॉ. आशीष मेहता ने उपस्थित गणमान्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य वक्ता डॉ. रबिनारायण ने अपने संबोधन में कहा कि आईईसी की प्रमुख जिम्मेदारी अनुसंधान प्रतिभागियों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा करना है। आईईसी अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए नियमित बैठक आयोजित करता है इसके साथ ही जांचकताअरं को सुझाव देता है कि वे उन्हें अनुमोदित करने से पहले इस बात की जांच जरूर करें की प्रस्तावित शोध विषय नैतिक मूल्यों पर आधारित है या नहीं।

गीता विद्यालय में मनाई महावीर जयंती

थानेसर। श्रीमद्भागवद गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र में महावीर जयंती के बारे में विद्यालय के कंप्यूटर आचार्य वीरेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में छात्रों को बताया कि महावीर जयंती जैन धर्म द्वारा 21 अप्रैल को मनाई जाएगी। वर्धमान महावीर के जन्म के अवसर पर इसका आयोजन किया जाता है। भगवान महावीर जैन धर्म के 24वे तीर्थंकर थे। उनका जन्म बिहार के वैशाली जिले के कुंड ग्राम में शुक्ल पक्ष में हुआ। महावीर जयंती को जैन संस्कृति में सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार यह चैत्र मास शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को यह त्यौहार मनाया जाता है।

हत्या मामले में पुलिस ने दो युवकों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

■ पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया

गांव खारवन निवासी ऑटो चालक कृष्णा की हत्या के मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने घर में पहले लूट की वारदात को अंजाम दिया। जब कृष्णा करवट लेने लगा तो आरोपियों को लगा कि वह जाग गया है। इस दौरान आरोपियों ने उसकी सर पर पावा से वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डीएसपी कमलजीत ने बताया कि कृष्ण की मौत के मामले में स्पेशल सेल टीम का गठन किया गया था। सेल के इंचार्ज राजेश राणा ने सूचना मिली थी कि गांव खारवन मोड छछरौली के पास दो युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे हैं। इस सूचना के आधार पर मुख्य सिपाही राजू राणा, आजाद सिंह, कृष्ण, कुलदीप, विपिन, धर्मवीर का गठन किया गया। टीम ने मौके पर जाकर वहां घूम रहे दोनों युवको को काबू किया। पूछताछ पर जिनकी पहचान गांव बलौली निवासी रजत उर्फ बछडा व खारवन निवासी खेमचंद उर्फ डागर उर्फ सोनू के नाम से हुई। आरोपियों ने खारवन गांव में लूट के बाद हत्या के मामले का खुलासा किया। आरोपियों ने बताया कि वह दोनों कृष्णा के घर में दाखिल हो हुए और घर के दरवाजे के ताले तोड़कर लूटपाट करने लगे। इस दौरान कृष्णा करवट लेने लगा तो उन्हें लगा कि वह जाग गया है। जिसके बाद आरोपी डागर ने चारपाई का पावा उठाकर उसके सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। उसके बाद घर के ताले तोड़कर वहां से कैश, मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से घर से लूटे गए पैसे व सामान बरामद किया जाएगा।

यमुनानगर पुलिस द्वारा हत्या व लूट के मामले में पकड़े गए आरोपी।

जेल में हुई थी दोनों आरोपियों की दोस्ती

डीएसपी कवलजीत ने बताया कि आरोपी रजत पर पहले लूट, स्नैचिंग व चोरी के 10 मामले दर्ज हैं। वहीं आरोपी खेमचंद पर पहले चोरी के पांच मामले दर्ज हैं। दोनों ही आरोपियों की दोस्ती जेल में हुई थी। दोनों आरोपी जमानत पर बाहर आए और यह दोस्ती कायम रखी। उसके बाद खारवन में लूट के बाद हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

ये था मामला

गांव खारवन निवासी 61 वर्षीय कृष्णा ऑटो चलाने का काम करता था। 2012 में उसकी पत्नी की मौत होने के बाद वह घर पर अकेला रहता था। 19 अप्रैल को वह अपने घर पर आकर सो गया। सुबह उसके भाई ने कृष्णा का शव चारपाई पर पड़ा मिला। उसके सिर पर चोट के निशान थे और खून बह रहा था। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या व लूट का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी।

बाइक सवार युवकों ने स्टाफ नर्स से झपटा पर्स

यमुनानगर। अस्पताल से छुट्टी कर घर जा रही स्टाफ नर्स से बाइक सवार दो युवकों ने पर्स झपट लिया। पर्स में दो हजार रूपये, मोबाइल व दस्तावेज थे। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना छप्पर क्षेत्र के गांव रजपुरा निवासी चरणजीत कौर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह विग्नेश अस्पताल में स्टाफ नर्स की नौकरी करती है । रात आठ बजे वह अस्पताल से छुट्टी कर अपनी एक्टिवा पर घर जा रही थी। जब वह गांव खुंडेवाला के पास पहुंची तो बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। जब तक वह कुछ समझ पाती आरोपी युवकों ने उसके पास से पर्स झपट लिया और मौके से भाग गए। उसने आरोपियों का पीछा कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया मगर आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गए। उसने बताया कि उसके पर्स में दो हजार रूपये, मोबाइल व उसके जरूरी दस्तावेज थे। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी।

पानीपत शुगर मिल ने 63 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की

5.73 लाख क्विंटल चीनी का हुआ उत्पादन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

■ चीनी का रिकवरी रेट 9.31 प्रतिशत रहा, 4.25 करोड रूपये कीमत की बिजली उत्पादन किया

पानीपत के गांव डाहर स्थित पानीपत सहकारी शुगर मिल का दूसरा पेराई संपन्न हो गया है। करीब पांच माह तक चले इस पेराई सत्र में शुगर मिल ने करीब 63 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की है। वहीं अपनी टरबाइन से करीब सवा चार करोड़ बिजली का उत्पादन भी किया है। मिल में चीनी उत्पादन की बात करें तो इस बार मिल ने 5.73 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया। जिसे बिजली निगम को सवा चार रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बेचा जा रहा है। वहीं शुगर मिल के अधिकारियों ने बताया कि शुगर मिल का ये दूसरा पेराई सत्र नवंबर 2023 को शुरू हुआ था, जो अप्रैल 2024 तक चालू रहा। करीब 147 दिनों तक चलने के बाद मिल का पेराई सत्र संपन्न किया जा रहा है। मशीनों को बंद करने से 24 घंटे पहले एक बार बंद कर रिस्टार्ट किया जाता है। मिल के आंकड़ों की बात करें तो 15 अप्रैल तक मिल में 573725 क्विंटल चीनी का उत्पादन किया गया। इस हिसाब से मिल में चीनी की रिकवरी का रेट 9.31 प्रतिशत रहा। जबकि पिछले साल चीनी का उत्पादन 603225 क्विंटल रहा था। पिछले साल चीनी की रिकवरी प्रतिशत 9.56 प्रतिशत था।

गन्ने की सप्लाई न होने से मिल को बंद किया

इस बार करीब 63 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई हुई जबकि पिछले साल 64.31 लाख क्विंटल गन्ना पेराई की थी। वहीं मिल की टरबाइन से बिजली उत्पादन की बात की जाए तो मिल ने 147 दिनों में अब तक करीब 41944464 यूनिट का उत्पादन किया है। इसे बिजली निगम को 4.24 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बेचा जा रहा है। शुगर मिल के सीडीओ कर्मबीर सिंह ने बताया कि गन्ने की सप्लाई न होने की वजह से मिल को बंद किया गया है।

प्लाइबोर्ड एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से भेंट कर बताई समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

प्लाइबोर्ड एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर श्निवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को मिला। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व में सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने किया। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने आज संत कबीर कुटीर चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी से प्लाइबोर्ड एसोसिएशन प्रतिनिधि मंडल को मिलवाया। इस दौरान प्लाइवुड इंडस्ट्री से संबंधित परेशानियों से मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया। उन्होंने बताया कि प्लाइवुड प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को बताया कि प्लाइवुड इंडस्ट्रीज में टेक्निकल ग्रेड यूरिया का उपयोग होता है। कृषि विभाग द्वारा टेक्निकल ग्रेड यूरिया के सैंपल लिए जाते हैं जो कि कई बार फेल हो जाते हैं। इसमें प्लाइवुड संचालकों का कोई भी दोष नहीं होता है। मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पॉपुलर लकड़ी व सफेदा लकड़ी पर एक परसेंट मार्केट फीस है। यदि हरियाणा सरकार यह एक परसेंट मार्केट फीस को हटा दे तो प्लाइवुड उद्योग में जो बढ़ती लागत के कारण नुकसान हो रहा है उससे व्यापारियों को काफी सहूलियत होगी।

यमुनानगर के प्लाइवुड एसोसिएशन के सदस्य चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलते हुए।

खबर संक्षेप

फाइनल वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई पार्टी

रादौर। मुकंदलाल नेशनल कॉलेज रादौर में शनिवार को बीकॉम फाइनल वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। विदाई पार्टी का प्रारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक कौशिक ने दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम में द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने फाइनल ईयर के विद्यार्थियों के लिए कई मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।मौके पर छात्र अक्षय को मिस्टर फाइनल व रिया को मिस फाइनल चुना गया।

अलग-अलग हादसों में दो व्यक्तियों की मौत

यमुनानगर। जिले में अलग-अलग स्थान पर हुए सड़क हादसों में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। गांव फेरूवाला निवासी अंकित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पिता 61 वर्षीय लक्ष्मण गांव सनखेड़ा में काम करने के लिए गया था। गांव सनखेड़ा निवासी हरविंदर सिंह ने लापरवाही से ट्रैक्टर चलाकर उसके पिता को टक्कर मार दी। उधर, जम्मू कॉलोनी निवासी जयप्रकाश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका दोस्त कृष्णा नगर निवासी 45 वर्षीय श्री भगवान उर्फ शिवकुमार की कार में ट्रक ने टक्कर मार दी।

बच्चों को स्कूल चलो के लिए किया जागरुक

रादौर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बापा (रादौर) में शनिवार को स्कूल चलो अभियान के तहत एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को स्कूल प्रिंसिपल सुभाष चंद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के दौरान बच्चे विभिन्न नारे बोलते हुए जैसे मम्मी पापा हमें पढ़ाओ, स्कूल चलकर नाम लिखवाओ, हर बच्चे की मांगे चार शिक्षा, सेहत, लड़का लड़की सभी पढ़ेंगे। मुफ्त किताबें भोजन ड्रेस, स्कूल जाने की लग गई रेस आदि प्रेरक नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे।

शांतिपूर्ण और व्यवस्थित मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी तालमेल से करें सहयोग

राजनीतिक दल व उम्मीदवार निर्देशों की करें कड़ाई से पालना: कुमार

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा आम चुनाव-2024 लड़ने वाले उम्मीदवारों व राजनीतिक दलों के लिए चुनाव के दौरान क्या करना है और क्या नहीं करना (डूज एंड डोंट्स) के दिशा निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा निर्देशों का चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक उम्मीदवारों व राजनीतिक दलों को अनुपालना करनी अनिवार्य व आवश्यक है। उक्त जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने शनिवार को अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए दी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं

यमुनानगर। अपने कार्यालय में चुनाव संबंधित जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन मनोज कुमार।

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि सभी दलों और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को सार्वजनिक स्थानों जैसे कि मैदान और हेलीपैड निष्पक्ष रूप से उपलब्ध होना चाहिए। चुनाव के दौरान अन्य राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की आलोचना केवल उनकी नीतियों, कार्यक्रमों, पिछले रिकॉर्ड और कार्योर् तक ही सीमित रहनी चाहिए।

इसके अलावा शांतिपूर्ण और विवेकपूर्ण घरेलू जीवन के लिए प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार की पूरी तरह से रक्षा की जानी चाहिए। स्थानीय पुलिस अधिकारियों को पूरी तरह से सूचित किया जाना चाहिए और प्रस्तावित बैठक के समय व स्थान की आवश्यक अनुमति समय रहते सही तरीके से ली जानी चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित बैठक के स्थान पर यदि कोई प्रतिबंधात्मक या निषेधात्मक आदेश लागू हैं तो उन आदेशों का सम्मान किया जाना चाहिए। इसी प्रकार प्रस्तावित बैठकों के लिए लाउडस्पीकर या ऐसी किसी अन्य सुविधा के उपयोग के लिए अनुमति प्राप्त की जानी चाहिए और बैठकों में गड़बड़ी या अव्यवस्था पैदा करने वाले व्यक्तियों से निपटने में पुलिस सहायता प्राप्त की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि किसी भी जुलूस को शुरू करने और समाप्त करने के समय व स्थान तथा मार्ग को अग्रिम रूप से फाइनल किया जाना चाहिए और पुलिस अधिकारियों से पूर्व अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। जुलूस का मार्ग यातायात को बाधित नहीं करना चाहिए। उन्होंने शांतिपूर्ण और व्यवस्थित मतदान सुनिश्चित करने के लिए चुनाव अधिकारियों का सहयोग करने के लिए आहवान किया।

नकद लेन देन से बचें राजनीतिक दल

जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि किसी भी आधिकारिक काम को चुनाव प्रचार या चुनावी गतिविधियों के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए और वित्तीय या अन्य किसी प्रकार का कोई प्रलोभन मतदाता को नहीं दिया जाना चाहिए। मतदाताओं की जाति या सांप्रदायिक भावनाओं के आधार पर कोई अपील नहीं की जानी चाहिए। कोई ऐसी गतिविधि जो मौजूदा मतभेदों को बढ़ा सकती है या विभिन्न जातियों, समुदायों, धार्मिक और भाषाई समूहों के बीच आपसी द्वेष पैदा करती हो या तनाव पैदा करती हो। ऐसी कोई गतिविधि नहीं की जानी चाहिए। चुनाव की पवित्रता व पारदर्शिता बनाए रखने के लिए राजनीतिक दलों को यह सलाह दी जाती है कि वे नकद लेन.देन से बचें और अपने उम्मीदवारों, एजेंट, कर्मियों और पदाधिकारियों को निर्देश दें कि चुनाव के दौरान वे बड़ी मात्रा में नगद राशि अपने साथ न रखें। इसके अलावा अन्य राजनीतिक दलों या उम्मीदवारों द्वारा आयोजित सार्वजनिक बैठकों या जुलूसों में बाधा नहीं डालनी चाहिए। अन्य राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा लगाए गए पोस्टरों को हटाना या विकृत नहीं किया जाना चाहिए। वाहनों पर रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकरों का उपयोग नहीं होना चाहिए।

रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया चुनाव प्रक्रिया को बनाती है पारदर्शी

- लोकसभा चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों का हुआ प्रथम रेंडमाइजेशन
- जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

यमुनानगर। जिला सचिवालय में आयोजित रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के दौरान कार्यक्रम में दिशा निर्देश देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिले की चारों विधानसभा के लिए गठित मतदान पार्टियों का रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया जिला सचिवालय स्थित कॉफ्रेंस हॉल में पूरी की गई। रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि चुनाव आयोग के दिशा निर्देशानुसार रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया पारदर्शी रुप से पूरी की गई। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 963 पोलिंग बूथ हैं जिसमें 4 पिंक बूथ बनाए गए हैं। जहां केवल महिला कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके बाद अब चुनाव आयोग के निर्देशानुसार दूसरा रेंडमाइजेशन भी किया जाएगा। रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाती है। जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि जिला का मतगणना केंद्र राजकीय आईटीआई में बनाया गया है। जहां तैयारियां पूरी की जा रही हैं। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि अब ईवीएम एवं वीवीपैट का रेंडमाइजेशन का कार्य आगामी 25 अप्रैल को किया जाएगा। इस दौरान एडीसी एवं एआरओ यमुनानगर आयुष सिन्हा, सीईओ जिला परिषद पंकज सेतिया, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं सीटीएम पीयूष गुप्ता, एसडीएम एवं एआरओ जगाधरी सोनू राम, एसडीएम एवं एआरओ रादौर जयप्रकाश, डीआईओ विनय गुलाटी, नायब तहसीलदार (इलेक्शन) गुलशन कुमार समेत सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जिंदल ने नाचरौन में किया जनसंपर्क

- दस वर्षों में हुए विकास कार्यों में देश और प्रदेश की बदली दशा और दिशा: जिंदल

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केंद्र में मोदी की डबल इंजन वाली सरकार प्रदेश में सुशासन का नया इतिहास लिखेगी। पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में जो विकास कार्य हुए हैं। उसने देश की दशा दिशा बदल दी है। उक्त शब्द पूर्व सांसद एवं भाजपा के कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी नवीन जिंदल ने नाचरौन में ग्रामीणों को संबोंधित करते हुए कहे। पूर्व सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण प्रधानमंत्री के मजबूत इरादों को भी प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के समय मुझे मर्यादा पुरुषोत्तम के दर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ। रामनवमी का यह पावन पर्व हमें सत्य, निष्ठा और धर्म के मार्ग पर चलने का जीवन मंत्र देता है। इस मंगल घड़ी में हम एक ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प लें। जहां प्रत्येक देशवासी का जीवन गौरवपूर्ण हो और चारों ओर सुख, शांति, समृद्धि के वातावरण का निर्माण हो। मौके पर पूर्व राज्यमंत्री कर्णदेव कांबोज, जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, चेयरमैन धर्म सिंह बंचल, डॉ. सतीश कांबोज, पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका, एमसी भगवतदयाल कटारिया व मुकेश आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। गांव नाचरौन में पूर्व सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी नवीन जिंदल का स्वागत करते हुए ग्रामीण। *फोटो: हरिभूमि*

बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मचाया धमाल

- स्वराज पब्लिक स्कूल रादौर में नए शैक्षणिक सत्र 2024-25 का अलंकरण समारोह का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

स्वराज पब्लिक स्कूल रादौर में शनिवार को नए शैक्षणिक सत्र 2024 -25 का अलंकरण समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को अलग अलग उपाधि देकर अलंकृत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा जौली कालरा ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भी भाग लिया। प्रधानाचार्या पूजा जौली कालरा ने बताया कि कार्यक्रम के तहत हेड ब्वॉय, हेड गर्ल, कैप्टन, वाइस कैप्टन, प्रीफेक्ट्स, डिसिप्लिन, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम व शैक्षणिक आदि प्रभारी नियुक्त किए गए। जिन्हें पटका पहना कर व बैज लगाकर सम्मानित किया गया। इस कार्य से विद्यार्थियों में अनुशासन बनाए रखने में मदद मिलती है और उनमें परस्पर सहयोग की भावना पैदा होती है। उन्होंने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया और अलंकृत विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को बधाई दी। मौके पर पूर्व प्रिंसिपल बालकिशन ने बच्चों व अभिभावकों को बधाई दी और कहा कि विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम स्कूल में होना अनिवार्य है। समय समय पर इन विद्यार्थियों को कार्य से संबंधित बातें भी बताई जाएंगी। मौके पर स्कूल प्रबंधक पंडित ज्ञान प्रकाश शर्मा, अजय शर्मा व रेनू आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। स्वराज पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए बच्चे व उनके अभिभावक।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे हैं प्रयास

- रादौर के जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में पेरेंट्स टीचर मीट का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

रादौर के जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रबंधन एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के तत्वावधान में शनिवार को पेरेंट्स टीचर मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अभिभावकों में विद्यार्थियों के विकास के प्रति सजगता को लेकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने किया। संस्थान के निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने अभिभावकों से संस्थान द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयत्नों पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों के करियर को लेकर अभिभावकों की सजगता की जमकर प्रशंसा की। डॉ. एसके गर्ग ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को रोजगार दिलाने लायक बनाने की अपनी प्रतिबद्धता पर खरा उतरने के लिए हर भरसक प्रयास कर रहा है। जिसे विद्यार्थियों के सहयोग की भी आवश्यकता है। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. यूपी सिंह द्वारा तैयार की गई और इसे सफल बनाने के लिए उन्होंने सभी प्राध्यापकों एवं अभिभावकों का धन्यवाद किया। मौके पर अभिभावकों द्वारा संस्थान के विभागों में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध विभिन्न आधारभूत एवं नवीन तकनीकों की जमकर प्रशंसा की।

यमुनानगर। जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर में आयोजित पीटीएम में भाग लेते अभिभावक।

शिविर में संपत्तियों को करवाएं सत्यापित: सिन्हा

- शत प्रतिशत संपत्तियों को दुरुस्त करने के लिए निगम द्वारा हर वार्ड में शिविर आयोजित करने के लिए चलाया अभियान
- शनिवार को शहर के गढ़ी मुंडो व ममीदी में ओायजित किए शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर प्रशासन द्वारा लोगों की शत प्रतिशत संपत्तियों को दुरुस्त करने के लिए निगम के हर वार्ड में शिविर आयोजित कर संपत्तियों को सत्यापित किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को शहर के वार्ड नंबर छह स्थित गढ़ी मुंडो व वार्ड 13 स्थित ममीदी में शिविर आयोजित कर लोगों की प्रॉपर्टी आईडी सत्यापित की गई और डाटा ठीक किया गया। निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि निगम द्वारा संपत्तियां दुरुस्त करने के लिए जहां शिविर लगाए जा रहे हैं, वहीं, निगम कर्मचारी घर घर जाकर संपत्तियों को दुरुस्त कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से निगम द्वारा आयोजित शिविरों में पहुंचकर अपनी संपत्तियों को दुरुस्त करवाए जाने के लिए आहवान किया। निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि अब तक नगर निगम 25 प्रतिशत संपत्तियां सत्यापित कर प्रदेश में पहले स्थान पर चल रहा है। शत प्रतिशत संपत्तियां सत्यापित करने को लेकर नगर निगम तेजी से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इसके बाद 22 अप्रैल को वार्ड सात के सेक्टर 17 के सामुदायिक केंद्र व वार्ड नंबर 14 के नागरिक सुविधा केंद्र पुराना हमीदा में शिविर आयोजित किए जाएंगे। वहीं, 23 अप्रैल को वार्ड 15 में शहीद भगत सिंह चौक स्थित नगर निगम कार्यालय, 24 अप्रैल को वार्ड 16 में गीता मंदिर लेबर कॉलोनी, 25 अप्रैल को वार्ड 17 में सनातन धर्मशाला कैंप, 26 अप्रैल को वार्ड 16 की नंदा कॉलोनी की हिमाचल हितकारी सभा, 27 अप्रैल को वार्ड 19 के विष्णु नगर स्थित माता भगवती धर्मशाला में संपत्ति सत्यापित शिविर लगाए जाएंगे। 27 अप्रैल को वार्ड 19 के विष्णु नगर स्थित माता भगवती धर्मशाला में संपत्ति सत्यापित शिविर लगाए जाएंगे। इसी तरह 29 अप्रैल को वार्ड 20 में ससौली के सरकारी स्कूल में, 30 अप्रैल को वार्ड 21 के कांसापुर स्थित परशुराम भवन में और एक मई को 22 वार्ड के कन्हैया चौक स्थित नगर निगम कार्यालय में संपत्ति सत्यापित शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में संपत्ति धारकों की संपत्तियों को सत्यापित किया जाएगा।

यमुनानगर। निगम द्वारा आयोजित शिविर में संपत्ति दुरुस्त करवाते लोग। *फोटो: हरिभूमि*

न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल में ओरल हाइजीन पर सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल यमुनानगर में डीएवी डेंटल कॉलेज के तत्वावधान में शनिवार को ओरल हाइजीन विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य बच्चों को दांतों की सही हाइजीन और बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक करना रहा। सेमिनार का शुभारंभ स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जीएस शर्मा ने किया। वहीं, शिविर की अध्यक्षता स्कूल की मुख्याध्यापिका डॉ. बिन्दु शर्मा ने की। डीएवी डेंटल कॉलेज यमुनागर के प्रिंसिपल डॉ. आईके पंडित के मार्ग दर्शन में कॉलेज की टीम में शामिल डॉ. जेसिका व डॉ. पल्लवी ने बच्चों को उचित डेंटल केयर के तरीकों की जानकारी दी गई और उन्हें दांतों की साफ सफाई के महत्व पर जागरूक किया गया। जिन बच्चों के दांतों में कोई समस्या थी, उन्हें सही मार्गदर्शन दिया गया। चिकित्सकों ने बच्चों को दंत रोगों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने मौके पर बच्चों को दांतों में सड़न होने के कारण व उनका निवारण करने के तरीके बताए गए। डॉ. जेसिका व डॉ. पल्लवी ने बच्चों को सुबह नाश्ते से पहले और रात को खाने के बाद ब्रश करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने सही ब्रशिंग तकनीक भी बताई।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में साइबर सेफ्टी एंड सिक्योरिटी पर हुई कार्यशाला

प्रौद्योगिकी पर निर्भर होता जा रहा है जीवन: डॉ. प्रदीप

- कार्यशाला में दिल्ली पब्लिक स्कूल समेत विभिन्न स्कूलों के 50 शिक्षकों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

दिल्ली पब्लिक स्कूल यमुनानगर में सीबीएसई द्वारा साइबर सेफ्टी एंड सिक्योरिटी विषय पर शनिवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दिल्ली पब्लिक स्कूल समेत विभिन्न स्कूलों के 50 शिक्षकों ने भाग लिया। इस दौरान मुख्य वक्ता के रुप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सह-प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार व दयाल सिंह पब्लिक स्कूल करनाल के स्नातकोत्तर शिक्षक निखिल शर्मा ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ स्कूल चेयरमैन राम निवास गर्ग व प्रधानाचार्या मनीषा सिंह ने किया।

यमुनानगर। दिल्ली पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते हुए शिक्षक।

साइबर सुरक्षा को अनदेखा नहीं किया जा सकता

मुख्य वक्ता डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि वर्तमान में विज्ञान और तकनीकी के युग में जहाँ पर भी नजर डालें जीवन पहले से अधिक प्रौद्योगिकी पर निर्भर होता जा रहा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने जहाँ जीवन को सहज और सुलभ बना दिया है। वहीं, यह भी एक कटु सत्य है कि इनके प्रयोग के संभावित खतरे हर डिवाइस और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के पीछे छिपे हैं। इनसे बचने के लिए साइबर सुरक्षा को अनदेखा नहीं किया जा सकता। एक भी सुरक्षा नियम की उल्लंघना से कई निजी जानकारियाँ सार्वजनिक हो सकती हैं। इस कार्यशाला में शिक्षकों को बताया गया कि आज के समय में साइबर अपराध नई ऊँचाइयों पर पहुँच रहे हैं और विद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं शैक्षिक संस्थाओं में साइबर सुरक्षा एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है। साइबर ठगों द्वारा विभिन्न हथकंडे अपनाकर लोगों को साइबर ठगी का शिकार बनाया जाता है। इससे बचने के लिए हम सबको साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करते हुए जागरुक बनना होगा और विद्यालय में विद्यार्थियों को भी इस विषय में जागरुक करना होगा । इस कार्य में अध्यापक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, दूसरे मुख्य वक्ता निखिल शर्मा ने शिक्षकों को आईपीआर, पेटेंट, ट्रेडमार्क, जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग आदि के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

स्थानांतरित हुए तीन अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

जिला बार एसोसिएशन जगाधरी (यमुनानगर) के सभागार में शनिवार को विदाई समारोह का आयोजन कर जिला अदालत से स्थानांतरित हुए तीन अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जगदीप सिंह, राजेन्द्र पाल सिंह और डॉ. नंदिता कौशिक के सम्मान पूर्वक विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में जिला एवं सत्र न्यायाधीश शालिनी सिंह नागपाल ने भाग लिया। जिला बार एसोसिएशन जगाधरी के प्रधान अरुण ढांडा द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। बार एसोसिएशन के प्रधान अरुण ढांडा ने सभी तीन न्यायाधीशों जिनका स्थांतरण हुआ है उनको अपनी व समस्त बार एसोसिएशन की तरफ से उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जगदीप सिंह, राजेन्द्र पाल सिंह और डॉ. नंदिता कौशिक को जिला बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन बार के महासचिव अभिषेक बांगड ने किया। मौके पर एसोसिएशन के उप प्रधान रविन्द्र सिंह संधू, सह सचिव शानु शर्मा, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार सैनी, पूर्व प्रधान राम कुमार रादौरी, पूर्व प्रधान यशपाल रझेडी, पूर्व प्रधान पवन कुमार पूनिया, ज्ञान चंद वर्मा, श्याम चंद गर्ग, डी एस खुराना व साहिब सिंह गुर्जर आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। जिला बार भवन में आयोजित विदाई सम्मान समारोह में स्थानांतरित न्यायाधीशों को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित करते हुए एसोसिएशन के प्रधान व अन्य पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

खबर संक्षेप

टैंपू ट्रेवल सड़क पर पलटा, यात्री सुरक्षित

शाहबाद। नगर के जीटी रोड पर गांव रतनगढ़ में एक टेंपो ट्रेवल पलट गया। हादसे में ड्राइवर सहित सभी सवारी सकुशल पाए गए जबकि एक यात्री को कुछ चोटे आई जिसको हेल्पर सोसाइटी की एंबुलेंस से नागरिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए भेज दिया गया है। टेंपो ट्रैवलर के ड्राइवर ने बताया कि वह सवारियों को लेकर चंडीगढ़ से कुरुक्षेत्र किसी शादी समारोह के लिए चले थे कि अचानक टेंपो ट्रैवलर का स्टेरिंग जाम होने के कारण गाड़ी पलट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया और जीटी रोड पर टेंपो ट्रैवलर पलट जाने के कारण लगे जाम को खुलवाया।

जिला कारागार में लोक अदालत का आयोजन

थानेसर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के मार्गदर्शन में डीएलएसए द्वारा जिला कारागार में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान 7 केसों पर सुनवाई की गई। जेल लोक अदालत में 5 केसों का मौके पर निपटारा करके अंडरगोन किया गया। इन अंडरगोन किए गए केसों में 6 बंदियों को मौके पर ही रिहा किया गया।

22 ओर 23 को निकाली जाएगी शोभायात्रा

पिहोवा। हनुमान जयंती का पावन पर्व 22 व 23 को श्री दक्षिणा काली पीठ माडल टाउन एवं मेन चौंक श्री दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। श्रीदक्षिणा काली पीठ संचालन समिति के स्वामी खटवांग पुरी ने बताया कि महंत बंसी पुरी महाराज के सानिध्य में बाल स्वरूप हनुमान मंदिर में दो दिवसीय समारोह 22 अप्रैल को प्रात. 10 बजे श्री रामचरित मानस के पाठ का आरंभ होगा एवं 23 को अखण्ड पाठ का समापन होगा व भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

महान कीर्तन समागम होगा 29 को

कुरुक्षेत्र। धर्मनगर के ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब पातशाही नौवीं में महान कीर्तन समागम 29 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। समागम से पहले 28 अप्रैल को ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी से महान नगर कीर्तन सजाया जाएगा। यह जानकारी हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रवक्ता कवलजीत सिंह अजराना ने दी।

आपदा के समय किसी का जीवन बचाना सबसे बड़ी सेवा : फुलिया

कैथल ने जीती ट्रॉफी, अंबाला मंडल आयुक्त ने किया प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुरुक्षेत्र

अंबाला मंडल आयुक्त रेणु फुलिया ने कहा कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग सबसे पुराना विभाग है और प्राकृतिक विपदा के समय हमेशा मदद करता है। आपदा के समय किसी का जीवन बचाना समाज की सबसे बड़ी सेवा है। राज्य स्तरीय बाढ़ राहत शिविर में प्रशिक्षण लेने के बाद सभी प्रशिक्षणार्थी आपदा के समय दूसरों के जीवन की रक्षा करने के लिए अपने-अपने जिलों में टीम बनाएं और नए लोगों को अपने साथ जोड़ें।

कुरुक्षेत्र। विजेता टीम को सम्मानित करती अंबाला मंडल आयुक्त रेणु फुलिया।

सभी प्रशिक्षणार्थियों को आपदा के लिए हमेशा मुस्तैद रहने और अच्छे परिणाम के लिए निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए। अंबाला मंडल आयुक्त रेणू फुलिया शनिवार को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा व जिला प्रशासन के तत्वाधान में ब्रह्मसरोवर पर आयोजित 6 दिवसीय राज्य स्तरीय बाढ़ राहत प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में बाढ़ की समस्या होती है, इसलिए हमें जन जीवन व पशु धन के जीवन को बचाना है इसके लिए हमें हर चीज बारीकी से सीखनी होगी, हमें राफ्ट मेकिंग आना चाहिए, जिन गांवों में लकड़ी की पुरानी बल्ली मिले उसे इस्तेमाल करें क्योंकि यह बाढ़ के समय काम आएगी। हमें संचार साधन सही रखना होगा, समय आने पर लोगों को जानकारी देनी होगी तथा बचाव के साधन समझाने होंगे। हमें ऐसे खाद्य पदार्थ बनाने सीखने होंगे जो बाढ़ के समय हम खा सके ताकि समय पर कोई समस्या ना आए। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी अपने नजरिए को और आगे बढ़ाएं तो समाज उनको उतना ही बड़ा दिखाई देगा। तैराकी और आपदा के समय बचाव करना एक प्रभावी कला है, जिससे दूसरों की जान को बचाकर सबसे बड़ा पुण्य कमाने का मौका मिलता है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए सभी को हमेशा तत्पर रहना चाहिए। डीआरओ विकास सिंहरोहा ने मेहमानों का स्वागत करते हुए 6 दिवसीय शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि इन 6 दिनों में प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया है।

कार्यक्रम में मुख्य इंस्ट्रक्टर मुकेश कुमार ने आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया। इससे पहले मुख्यातिथि अंबाला मंडल आयुक्त रेणु फुलिया के सामने विभाग द्वारा शिविर में सीखी गई चीजों का डेमो भी प्रस्तुत किया गया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों द्वारा दुर्घटना के समय कैसे घायल व्यक्ति की सहायता की जाती है, को लेकर मॉक ड्रिल के माध्यम से करके दिखाया। इस मौके पर तैराकी, किश्ती चालन, फर्स्ट एड, होमगार्ड प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ-साथ एफसीआर कार्यालय चंडीगढ़ से अधीक्षक दिनेश यादव, सहायक आजाद सिंह, सहायक आशु शर्मा को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा कैथल के सतीश कुमार को तैराकी प्रतियोगिता में जितेन्द्र सिंह मेमोरियल ट्रॉफी, भिवानी के रोहित कुमार को चप्पू द्वारा नाव चलाने की प्रतियोगिता में जगपाल सिंह मेमोरियल ट्रॉफी प्रदान की गई जबकि ओवरऑल ट्रॉफी जिला कैथल को प्रदान की गई। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य इंस्ट्रक्टर भगत सिंह, अतिरिक्त मुख्य इंस्ट्रक्टर भगत सिंह, इंस्ट्रक्टर राज कुमार, राजपाल, राजमल, रणधीर सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुशील कुमार, राजेश गौड, संजय राणा, गोपाल राणा, जिले सिंह, सुशील कुमार, ज्ञान प्रकाश, जीत सिंह, राकेश हुड्डा, रमेश कुमार, शाह जहान, पंकज राणा, बिजेंद्र चौहान, रमन कुमार, नजीर सिंह, रैडक्रास सोसायटी से इंस्ट्रक्टर किरण कश्यप, अंजू कश्यप, विक्रम सिंह आदि उपस्थित थे।

फर्स्ट एड प्रतियोगिता में गुरप्रीत सिंह प्रथम

डीआरओ विकास सिंहरोहा ने कहा कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें चप्पू द्वारा किश्ती चालन प्रतियोगिता में भिवानी के रोहित कुमार ने प्रथम, चरखी दादरी के विकास ने द्वितीय व अंबाला के रोहित तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार तैराकी प्रतियोगिता में कैथल के सतीश कुमार ने प्रथम, कैथल के श्रवण सिंह ने द्वितीय, रोहतक के आशीष कुमार ने तृतीय व झज्जर के अमित कुमार ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। फर्स्ट एड प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र के गुरप्रीत सिंह प्रथम, जींद का सतीश कुमार द्वितीय, कुरुक्षेत्र का संदीप कुमार तृतीय व फतेहाबाद का संदीप कुमार को सांत्वना पुरस्कार, होम गार्ड प्रतियोगिता में कैथल के श्रवण ने प्रथम, करनाल के सतीश ने द्वितीय, जींद के सतीश ने तृतीय, फतेहाबाद के मदन व कुरुक्षेत्र के गुरप्रीत ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इसी प्रकार चप्पू से नाव चलाने के लिए करनाल के रामपाल, झज्जर के अमित, कैथल के अनिल, रोहतक के आशीष को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

कुरुक्षेत्र। गेहूं से भरे कट्टों से अटी पंडी अनाज मंडी। फोटो : हरिभूमि

धीमे उठान से किसान और आढ़ती परेशान

- विभिन्न एजेंसियों ने अब तक खरीदी 3 लाख 20 हजार 410 एमटी गेहूं, 87463 मीट्रिक टन का हुआ उठान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुरुक्षेत्र

गेहूं खरीद के सीजन में अब तक खरीद एजेंसियों द्वारा अलग-अलग खरीद केन्द्रों से कुल 3 लाख 20 हजार 410 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। इस खरीद में से विभिन्न एजेंसियों द्वारा 87463 मीट्रिक टन गेहूं का उठान कार्य पूरा कर लिया है। एजेंसियों द्वारा अब तक 51075 किसानों की गेहूं की फसल को खरीदा गया है। इस जिले में खरीद केन्द्रों पर गेहूं की खरीद का कार्य सुचारु रुप से चल रहा है। इन खरीद केन्द्रों पर किसान अपनी फसलों को लेकर अपने निर्धारित शेड्यूल के अनुसार खरीद केन्द्रों पर पहुंच रहे है। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के आधार पर कहा कि खरीद केंद्रों पर खरीद एजेंसियां द्वारा 3 लाख 20 हजार 410 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 1 लाख 62 हजार 481 एमटी, हैफेड द्वारा 1 लाख 47 हजार 767 एमटी, हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 9941 व ट्रेडर्स द्वारा 221 एमटी गेहूं की खरीद की गई है। अब तक खाद्य आपूर्ति विभाग ने 1 लाख 62 हजार 481 एमटी, हैफेड ने 1 लाख 47 हजार 767 एमटी, हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 9941 एमटी व ट्रेडर्स ने 221 एमटी गेहूं की खरीद की है, जिसमें से 87242 मीट्रिक टन गेहूं का उठान कार्य पूरा कर लिया है, जिसमें से डीएफएससी द्वारा 47034, हैफेड द्वारा 39408, एचडब्लयूसी द्वारा 800 एमटी व ट्रेडर्स द्वारा 221 एमटी गेहूं का उठान कार्य पूरा कर लिया है।

आज नहीं होगी खरीद

शाहाबाद । शाहाबाद की अनाज मंडी में रविवार 21 अप्रैल को गेहूं की खरीद नहीं की जाएगी बल्कि खरीद रोक कर हेफेड और डीएफएससी की ओर से खरीद की गई गेहूं का उठान किया जाएगा। मार्केट कमेटी के सचिव कृष्ण कुमार मलिक ने दी। सचिव ने बताया कि 6 लाख 66 हजार कट्टों में से मात्र 2 लाख कट्टों का उठान हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कर्मा देवी के निधन पर जताया शोक

शाहबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हल्का के विधायक रामकरण काला के घर पहुंच कर उनकी माता कर्मा देवी के निधन पर शोक व्यक्त किया। पिछले दिनों 12 अप्रैल को विधायक रामकरण कला की माता का निधन हो गया था। मुख्यमंत्री ने विधायक रामकरण काला और उनके परिवार को ढांढस बंधाया और प्रभु चरणों में दिवंगत आत्मा को स्थान देने की प्रार्थना की। इस मौके पर जब उनसे लोकसभा चुनावों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार ने पूरे विकास कार्य किए हैं इसलिए हरियाणा में 10 की 10 लोकसभा सीटों पर भाजपा अपना परचम लहराएगी। चंडीगढ़ में लोकसभा की एक और करनाल की विधानसभा की सीट पर भी भाजपा विजयी रहेगी।

घर बैठे देखें सूची में नाम, लिस्ट में न होने पर वोट से हो जाएंगे वंचित : सरला

कुरुक्षेत्र। चुनाव तहसीलदार सरला ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जिले के प्रत्येक मतदाता से मताधिकार का प्रयोग करते हुए लोकतंत्र में भागीदारी का आह्वान किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव हेतु मतदान से पूर्व सभी मतदाताओं को अपना नाम वोटर लिस्ट में चेक कर लेना चाहिए। जिन मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हैं वही आगामी लोकसभा चुनाव में अपना मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। मतदान करने के लिए वोटर कार्ड होने के साथ ही मतदाता सूची में नाम दर्ज होना भी जरूरी है। मतदाता घर बैठे चुनाव आयोग की वोटर हेल्पलाइन एप, चुनाव आयोग की वेबसाइट व जिला प्रशासन की वेबसाइट पर सार्वजनिक की गई वोटर लिस्ट में अपना नाम देख सकते हैं। चुनाव तहसीलदार सरला ने कहा कि 1 जनवरी 2024 तक जिन युवाओं की उम्र 18 वर्ष पूरी हो चुकी है वह आगामी लोकसभा चुनाव में वोट डालने के लिए अपना वोट 26 अप्रैल तक बनवा सकते हैं। इसके अलावा जिन वोटरों के पास वोटर कार्ड है लेकिन वोटर लिस्ट में नाम दर्ज नहीं है तो ऐसे वोटर भी अपना नाम वोटर लिस्ट में दर्ज कराएं और लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने के पात्र बनें।

कचरे से सर्वोत्तम स्पर्धा में वीनू प्रथम

- पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में कचरे से सर्वोत्तम व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज के भूगोल विभाग द्वारा, विश्वविद्यालय परिसर में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में कचरे से सर्वोत्तम व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

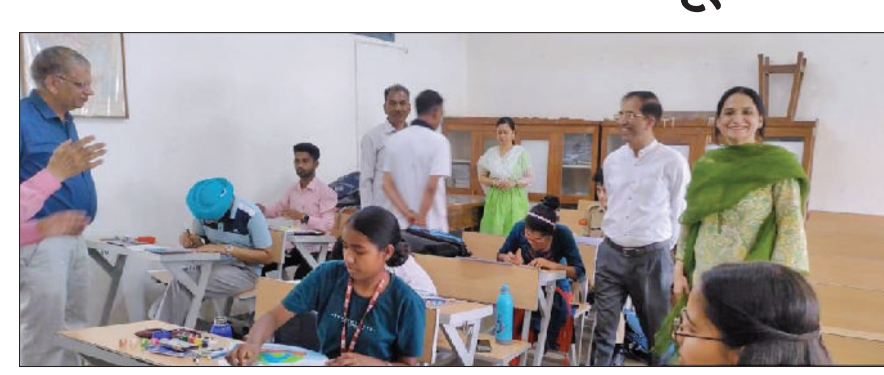
कुरुक्षेत्र। पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

इस प्रोग्राम में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। कचरे से सर्वोतम प्रतियोगिता में वीनू प्रथम, साक्षी द्वितीय, शिवानी तृतीय स्थान पर रहें व पोस्टर प्रतियोगिता में सरगम प्रथम, तमन्ना द्वितीय ज्योति तृतीय स्थान पर रहे व पारसदीप और अखिल को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज की प्राचार्या प्रोफेसर रीटा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की व डॉ. अश्वनी कुश व प्रोफेसर प्रदीप मलिक ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अमृत सिंह ने सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया व साथ में धन्यवाद व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर कुसुम लता, प्रोफेसर पूनम कुमारी, डॉ. कुलविंदर कौर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. नितांत गौर, सुश्री तराशा, सुश्री मंजू, व दीपक भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

लिवर शरीर का महत्वपूर्ण अंग : डा. अनेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के हेल्थ सेंटर के एडमिनिस्ट्रेटर, गैपियो सदस्य, आरएसएसडीआई मेंबर एवं मेडिकल ऑफिसर डॉ. आशीष अनेजा ने वर्ल्ड लिवर डे पर जागरूक करते हुए कहा कि लिवर हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है क्योंकि यह शरीर के पाचन तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्तमान की भागदौड़ भरी जिन्दगी तथा नकारात्मक जीवन शैली व खान-पान की गलत आदतों के कारण लिवर का खराब होना आम बात है। शरीर को फिट रखने के लिए लिवर को ठीक रखना बहुत जरूरी है तथा यह भोजन को पचाने और बॉडी से टॉक्सिन को बाहर निकालने में सहायता करता है। डॉ. आशीष अनेजा ने बताया कि पीलिया, पेट दर्द और सूजन ,पैरों और टखनों में सूजन, स्किन में खुजली होना, पेशाब का रंग गहरा होना, पीला मल का रंग, बेहद थकावट, मतली या उल्टी ,भूख में कमी, बॉडी पर छोटे-छोटे पानी के दाने हो जाना, ये सभी खराब लिवर के लक्षण है।

ऐसे रखें सवस्थ

अपने लिवर को ठीक करने के लिए अपनी जीवनशैली में बदलाव करें। लिवर को स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ आहार लें, स्वस्थ वजन बनाए रखें, नियमित रूप से व्यायाम करें, शराब के सेवन से बचें, अपने शरीर को हाइड्रेट करें, वैकल्पिक दवाओं से बचें, दवाओं के अति प्रयोग से बचें, नियमित अंतराल पर लिवर फंक्शन टेस्ट कराते रहें। इसके साथ ही डाइट में फलों, हरी सब्जियों और हाई फाइबर वाले खाद्य पदार्थों से भरपूर संतुलित डाइट का सेवन करें। पेट में वसा का निर्माण और अधिक वजन होने से लिवर रोग का खतरा बढ़ जाता है। लिवर को हेल्दी रखने के लिए कैलोरी, वसा और परिष्कृत काबोर्हाइड्रेट जैसे तेल, घी, पनीर, और शक्कर युक्त पेय से परहेज करें।

कन्याओं में मां दुर्गा का वास

कुरुक्षेत्र। झांसा रोड़, श्याम कालोनी स्थित महंत प्रभातपुरी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मां दुर्गा की कृपा पाने के लिए महंत वंशी पुरी महाराज एवं महंत महेश पुरी महाराज के सानिध्य में सामूहिक कन्या पूजन का अनुष्ठान किया गया। महंत वंशी पुरी ने कहा कि कन्याओं में मां दुर्गा का वास होता है मां भय, निराशा, विघ्न और शत्रुओं का हरण करे। हम सब के जीवन में सुख-समृद्धि, खुशहाली, सफलता व सकारात्मक ऊर्जा लाए। दिगंबर महेश पुरी ने स्वयं 9 कन्याओं व एक बालक का पूजन किया और कहा कि दुर्गा रूप कन्याओं का कभी भी पूजन करके आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है।

अभय चौटाला ने शनिवार को पेहवा हलके के दर्जनों गांव का दौरा किया

- 1 मई को सुबह 11 बजे कुरूक्षेत्र में अपना नामांकन करेंगे अभय सिंह चौटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुरुक्षेत्र

इनेलो के लोकसभा उम्मीदवार अभय सिंह चौटाला ने शनिवार को पेहवा हलका के दर्जन भर गांवों के दौरे किए और जनसभाओं को संबोधित इनेलो के पक्ष में वोट डालने की अपील की। सभी गांवों में पहुंचने पर लोगों ने इनेलो नेता का जोरदार स्वागत किया।

अभय सिंह चौटाला ने कहा कि मोदी ने तीन बड़े वादे किए थे पहला कांग्रेस वाले जो काला धन विदेशों में ले गए थे उसे वापिस लाएंगे और 15 लाख रुपये सभी के खाते में डलवांएगे। दूसरा वादा किया किसान के साथ कि एमएसपी का कानून बनाएंगे और

स्वामीनाथन की रिपोर्ट लागू करेंगे और 2022 तक फसलों के दाम दोगुना कर देंगे। भाजपा अब इसको जबरदस्ती चुनाव लड़वा रही है। भाजपा मे जाने के बाद अब ये चोर नहीं रहा, कोहिनूर बन गया। वहीं सुशील गुप्ता जो नवीन जिंदल की तरह हजारों करोड़ रुपये का पूंजीपति है और वो आम आदमी पार्टी का उम्मीदवार है। सुशील गुप्ता भी वोट लेने के लिए खेतों में गेहूं काटता फिर रहा है।

भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी नवीन जिन्दल ने विनम्र भाव में किया अनुरोध

नरेंद्र मोदी के जिम्मेदार हाथों में सत्ता दें: नवीन जिंदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुरुक्षेत्र

हरियाणा के शहरी निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि कोरोना काल में एक फोन कॉल पर पूर्व सांसद नवीन जिन्दल ने कुरुक्षेत्र में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन के ट्रकों की कतार खड़ी कर दी। उनके सहयोग से हजारों लोगों की जान बची। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी नवीन जिन्दल ने विनम्र भाव में अनुरोध किया कि लोग मोदी जी के जिम्मेदार हाथों में देश की सत्ता सौंपें, जिससे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो। उन्होंने 25 मई को कमल के फूल पर बटन दबाकर विकसित भारत के सपने साकार करने का आह्वान किया।

कुरुक्षेत्र। कीर्ति नगर में जनसभा को संबोधित करते नवीन जिंदल।

कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के निरंतर दौरे के क्रम में नवीन जिन्दल और सुभाष सुधा आज थानेसर विधानसभा क्षेत्र के लालचंद अस्पताल में रक्तदान शिविर के उद्घाटन के बाद कीर्तिनगर, सुभाष पार्क, विवेकानंद कॉलोनी, कल्याण नगर, थानेसर रेलवे स्टेशन के निकट और धोबी मोहल्ला में पहुंचे और लोगों से सीधा संवाद किया। इस अवसर पर सुधा ने कहा कि उन्होंने थानेसर को पांचों फाटकों से मुक्त कराया, जो वर्षों से लंबित थे। इन पर 250 करोड़ रुपये खर्च हुए। नवीन जिन्दल ने कहा कि नायब सिंह सैनी और सुभाष सुधा के साथ मिलकर वे कुरुक्षेत्र में विकास की गंगा बहाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे सांसद ही आज हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं इसलिए हमारा उत्साह बुलंद है। कुरुक्षेत्र का हरेक व्यक्ति आज स्वयं को मुख्यमंत्री मान रहा है। इसलिए एक नागरिक के रूप में हम सभी को सोचना होगा कि वे जिम्मेदार हाथ किनके हैं, जिन्हें सत्ता सौंपकर बच्चों और नौजवानों का भविष्य उज्ज्वल बनाया जाए। मोदी जी के अलावा आज देश में कोई विकल्प नहीं है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री देवेंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष हरीश अरोड़ा, दीपक चौहान, प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सांगवान, युवा अध्यक्ष साहिल सुधा, राजकुमार, रणसिंह गांधी, सुनील काजल आदि मौजूद रहे।

जिन्दल ने खुलवाया दिल्ली-सोनीपत हाईवे

किसान आंदोलन के दौरान दिल्ली-हरियाणा सीमा पर बने निर्माण को हटाने की कार्रवाई आज शुरू हो गई। यह काम कुरुक्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नवीन जिन्दल की पहल पर हुआ है। 15 अप्रैल को जब वे दिल्ली से आ रहे थे तो दिल्ली-सोनीपत सीमा पर भारी जाम देखकर उन्होंने दिल्ली के पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को टैग कर ट्वीट किया और उनसे फोन पर बात की। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला से भी बात कर समस्या से अवगत कराया। आज हाईवे पर वो पक्का निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू हो गई है। इसके साथ ही उन लाखों यात्रियों को राहत मिलने का रास्ता साफ हो गया है, जो जीटी रोड से उत्तर भारत की यात्रा करते हैं।

कुरुक्षेत्र। रक्तदाता का उत्साहवर्धन करते मुख्यातिथि सुभाष सुधा व नवीन जिंदल।

रक्तदान सबसे महान कार्य व समाजसेवा : जिंदल

कुरुक्षेत्र। श्रद्धानंद चौक स्थित नन्द लाल अस्पताल में स्व. डा. गिरिश ग्रोवर की पहली पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में पूर्व सांसद नवीन जिंदल व राज्य मंत्री सुभाष सुधा बतौर मुख्यातिथि पधारे। अतिथियों का शिविर में पधारने पर अस्पताल के प्रभारी डा. अंशुल ग्रोवर व डा. सोनिया ग्रोवर ने बुके भेंट कर स्वागत किया। अतिथियों ने रक्तदाताओं को बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया। पूर्व सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि रक्तदान करना सबसे महान कार्य के साथ-साथ एक समाजसेवा भी है। रक्तदान करना मानवता की सच्ची सेवा है। रक्तदान से बड़ा कोई दान नही हो सकता है। वही राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि डा. गिरिश ग्रोवर की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर लगाना बहुत ही पुण्य का कार्य है। इस अवसर पर अस्पताल में स्वास्थ्य चेकअप कैंप भी लगाया गया जिसमें एचबी, शुगर की निशुल्क जांच की गई। इस अवसर पर डा. सुरेंद्र मैहता, डा.एसी नागपाल, डा. ललित गुप्ता, मुरली शर्मा, दीपक चौहान, हरीश अरोड़ा, रविंद्र सांगवान आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बाबा साहेब को किया नमन बच्चों को बांटी गई स्टेशनरी

बराड़ा। हरगोबिंपुरा कॉलोनी में आयोजित एक कार्यक्रम में बाबा साहेब डॉ. बीआर अंबेडकर को नमन किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेत्री सोनिया परोचा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की जहां पर महिलाओं ने उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने बाबा साहब के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सड़क हादसे में महिला की गई जान

बराड़ा। गांव सुभरी के पास सडक़ दुर्घटना में एक महिला की मौत हो जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव जंधेडी के लक्ष्मण दास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बाईक पर सवार होकर अपनी पत्नी व बच्चों के साथ बराड़ा में अपनी रशितेदारी में जा रहे था। जैसे ही वह गांव सुभरी के पास पहुंचे तो पीछे से आ रही एक कार ने उनकी बाईक को टक्कर मार दी, टक्कर लगने से वह सब सडक़ पर जा गिरे। उसकी पत्नी सुमन के ऊपर से कार गुजर गई। जिस कारण उसकी पत्नी को काफी चोटें लगी। कार सवार मौके पर भीड़ एकत्रित देख भाग गया।

छात्रों को वोट बनवाने के लिए किया प्रेरित

बराड़ा। महाराणा प्रताप नेशनल महाविद्यालय में वोटर जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। इसमें सुधीर कुमार राजकीय उच्च विद्यालय सिरसगढ़, प्रियंका शर्मा व नीरू बाला, राजकीय उच्च विद्यालय सुहाना, बूथ लेवल ऑफिसरों ने विद्यार्थियों के वोटर कार्ड बनाने की प्रक्रिया को संपन्न किया। प्राचार्या डॉ. राजश्री खरे ने विद्यार्थियों को मतदान हेतु जागरूक करते हुए कहा कि मतदान लोकतंत्र की आधारशिला है।

पुलिस ने शराब सहित आरोपी किया काबू

अंबाला। थाना बराड़ा क्षेत्र से पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी रमन कुमार को शराब तस्करी के आरोप में काबू किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी शराब तस्करी का कारोबार करता है। इसी आधार पर पुलिस ने रेड कर आरोपी को काबू किया। तलाशी लेने पर पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 15 बोतल अवैध शराब जब्त की थी। अब पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी शिवा उर्फ शिवम को काबू किया है। न्यू मॉडल कॉलोनी के रहने वाले विक्रम ने 14 जनवरी 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसके सैनेटरी स्टोर से किसी ने टोंटियों का सामान, पानी वाली मोटर, कैमरा की डीवीआर व अन्य सामान चोरी कर लिया है।

रैंप पर छात्राओं के कैटवॉक के दौरान तालियों से गूंजा कालेज परिसर

रंगारंग कार्यक्रमों में छात्राओं ने मचाई धूम

एमकॉम की छात्रा शिल्पी बनी मिस कॉमर्स

मंजू को मिस पर्सेनेलिटी, अनु को मिस चार्मिंग तथा सिमरन को मिस इवनिंग का खिताब मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के आर्य गर्ल्ज कॉलेज में कॉमर्स, इकनॉमिक्स व कंप्यूटर विभाग द्वारा बीकॉम तथा एमकॉम के अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरूआत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुपमा आर्य के संबोधन से हुई। उन्होंने छात्राओं को जीवन के सबसे महत्वपूर्ण चरणों की शिक्षा को पूरा करने की बधाई दी। उन्होंने छात्राओं के भविष्य के लिए सलाह देते हुए कहा कि अपनी आकांक्षाओं और उन्नति के साथ परिवार और समाज की अपेक्षाओं के बीच तालमेल बना कर जीवन जीना आपको सदैव गर्व महसूस करवाएगा। उन्होंने छात्राओं को बाहरी सुंदरता से अधिक स्वयं को भीतर से तराशने की बात पर बल दिया। इस अवसर पर तीनों विभागों द्वारा छात्राओं के लिए मनोरंजक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। भारतीय तथा पश्चिमी गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं। गायन प्रेमी छात्राओं ने गीत भी गुनगुनाए। छात्राओं ने प्राध्यापिकाओं के साथ महाविद्यालय से जुड़ी अपनी यादों को भी ताजा किया। छात्राओं ने प्राचार्या तथा प्राध्यापिकाओं को उनके शिक्षा में सहयोग तथा व्यक्तित्व को आकार देने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

अंबाला। खिताब जीतने वाली छात्राएं शिक्षकों के साथ। *फोटो : हरिभूमि*

इन छात्राओं को मिला प्रतिभा का सम्मान

इस अवसर पर एमकॉम तृतीय वर्ष से शिल्पा सैनी को मिस कॉमर्स, मंजू को मिस पर्सेनेलिटी, अनु को मिस चार्मिंग तथा सिमरन को मिस इवनिंग चुना गया। इसी श्रृंखला में बीकॉम तृतीय वर्ष से हिमांशी को मिस कॉमर्स, राक्सी गौतम को मिस चार्मिंग, जश्नप्रीत को मिस पर्सेनेलिटी, डिंपी मिस इवनिंग तथा यशिका एवं हर्षप्रीत क्यूट टेलेंटिड स्टूडेंट चुने गए।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में बाजी मारने वाले छात्रों को सम्मानित करते हुए शिक्षक।

भाषण में कशिश ने मारी बाजी, हर्ष दूसरे स्थान पर रहा

- गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित हुई कई प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर कॉलेज स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल प्रो. संजय शर्मा के मार्गदर्शन में हुई इन प्रतियोगिताओं में कार्यकारी प्रिंसिपल डॉ. देस राज बाजवा बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए। कॉलेज कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की संचालक डॉ. रजनी सैनी ने बताया कि कॉलेज लेवल प्रतियोगिता के बाद जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएंगी। प्रतियोगिताओं का लक्ष्य विद्यार्थियों को कानूनी साक्षर बनाना रहा। स्लोगन राइटिंग में दिव्या प्रथम, आयुषी द्वितीय और कीर्ति तृतीय, पीपीटी प्रदर्शन में कशिश प्रथम, धनंजय द्वितीय, रितेश कुमारी तृतीय, डॉक्यूमेंट्री में अनुराग प्रथम, ध्रुव द्वितीय स्थान, वाद-विवाद में अर्पित व कशिश का ग्रुप प्रथम, हर्ष और मोतिका का ग्रुप द्वितीय व सचिन व राहुल का ग्रुप तृतीय स्थान पर रहा। भाषण में कशिश प्रथम, हर्ष द्वितीय, मोतिका तृतीय स्थान, निबंध लेखन में हिमांशु प्रथम, तमन्ना द्वितीय, राशी तृतीय, पेंटिंग में नेहा प्रथम, अंजली द्वितीय, मानसी तृतीय रही। नाटक में इशा, सपना, अंशुल, प्रदीप, अनमोल, हिना, अक्षय प्रथम स्थान पर रहे। कविता पाठ में नवदिशा प्रथम, अनुराग द्वितीय व स्वाति तृतीय, प्रश्नोत्तरी में अनुराग, सचिन, ध्रुव प्रथम, हर्ष, धनंजय, मोतिका द्वितीय, गुनगुन, अरविंदर, रिया तृतीय स्थान पर रहे। इन प्रतियोगिताओ के आयोजन मे कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ के सदस्यों प्रो. उषा चहल, प्रो. अनुराधा, प्रो. प्रियंका, प्रो. सुजाता, प्रो. लकी वर्मा, प्रो. नेहा रानी आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम का सफल आयोजन रंजू त्रेहन, डॉ. अंजू बाला, सिल्वी अग्रवाल, डॉ. सुमन बाला, डॉ. अमनदीप मक्कड़, डॉ. प्रगति शर्मा, सोनाली, नेहा तथा शीनम चुघ के नेतृत्व में हुआ।

बारिश से हुए नुकसान के लिए सरकार जिम्मेदार

अंबाला। मंडी में आई गेहूं का अवलोकन करते पूर्व मंत्री निर्मल सिंह व अन्य।

- पूर्व मंत्री निर्मल सिंह ने बोला सरकार पर हमला, कहा सरकार ने मंडियों में नहीं की सुचारू खरीद,बारदाने,तिरपाल व उठान की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री निर्मल सिंह ने शनिवार को अंबाला शहर की अनाज मंडी का दौरा कर किसानों,आढ़तियों व मजदूरों से मुलाकात कर गेंहू ख़रीद में आ रही समस्याएं सुनी। निर्मल सिंह ने किसानों को आ रही समस्याओं को लेकर मौके पर ही अधिकारियों से बात की और नमी और लिफ्टिंग की समस्या से अवगत भी कराया । उन्होंने अधिकारियों को जल्द समस्या का समाधान निकालने के लिए भी बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के शासनकाल में किसानों, आढ़तियों व मजदूरों को हमेशा ही परेशान किया गया है। सिंह ने कहा कि बारिश के चलते किसानों को हुए नुकसान के लिए प्रदेश सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। क्योंकि बार-बार चेतावनी के बावजूद उसने वक्त रहते मंडियों में कोई व्यवस्था नहीं की। बारिश के चलते मंडियों में किसानों की फसल भीगने पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। अब प्रदेश भर के किसानों को इस सरकारी अनदेखी का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। किसानों ने निर्मल सिंह को बताया कि मंडियां अनाज से अटी पड़ी हैं क्योंकि अब तक नियमित खरीद व लिफ्टिंग की कोई व्यवस्था नहीं हुई।

मेहनत पर फिरा पानी

बारिश के चलते भारी मात्रा में 6 महीने की दिनरात मेहनत से तैयार की गई फसल खुले आसमान के नीचे भीग रही है। उन्होंने एक बार फिर सरकार से जल्द उठान, भुगतान व मंडियों में तमाम जरूरी व्यवस्थाएं करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि पोर्टल का जंजाल खत्म करके जल्दी से जल्दी फसल को खरीदा जाए ताकि किसान अगले सीजन की तैयारी करें। साथ ही बारिश की वजह से जिन किसानों को नुकसान हुआ है उनकी भरपाई सरकार द्वारा की जानी चाहिए। अनाज भीगने के चलते नमी में छूट की लिमिट को भी बढ़ाना चाहिए।

होली गांव के सरपंच पर दो राउंड फायरिग मामूली विवाद को लेकर हुआ झगड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

होली गांव क सरपंच और उसके बेटे पर दो राउंड फायरिंग हुई है। दोनों बाल बाल बच गए। गांव के ही एक युवक के साथ सरपंच का लड़ाई-झगड़ा हुआ। सरपंच का आरोप है कि हमलावर ने 2 राउंड फायर किए। आरोपी ने एक हवाई फायर किया तो दूसरी गोली उसकी तरफ चलाई। सूचना के बाद पुलि मौके पर पहुंच गई। अब सरपंच के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। घटना गांव होली बस अड्डे के पास की है। फायरिंग करने वाला भी सरपंच के गांव का बताया जा रहा है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सरपंच बलविंदर सिंह ने बताया कि 5 दिन बाद घर में बेटे की शादी है। वह किसी काम से घर से बाहर निकला था। इसी बीच बुलेट बाइक पर उसके ही गांव का काला आया। उसने गाड़ी का शीशा नीचे उतरवाया। पूछा कि तूं सरपंच है ? जब उसने कहा कि हां मैं ही सरपंच हूं तो आरोपी ने कहा कि हम निकालते हैं तेरी सरपंची। सरपंच ने बताया कि उसके साथ गाली-गलौज की। जैसे ही वह मौके से भागने लगा तो उधर से उसका बेटा आ रहा था। इस बीच हमलावर ने पहले हवा में गोली चलाई।

जांच के लिए मौके पर पहुंची पुलिस

जांच के लिए पुलिस मौके पर पहुंची है। सरपंच के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। सरपंच के आरोप हैं कि उसके गांव के काला ने फायरिंग की है। पुलिस ने सरपंच के बेटे से भी पूछताछ की है। उसने भी बताया कि आरोपी ने हवाई फायर किए हैं। आसपास के लोग फायरिंग की बात से इंकार कर रहे हैं। मौके से भी पुलिस को गोली का कोई खोल जब्त नहीं हुआ है।

महात्मा हंसराज की जयंती पर हुई प्रतियोगिता

- डीएवी स्कूल परिसर में शनिवार को डीएवी संस्थापक महात्मा हंसराज की जयंती समारोह के उपलक्ष में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

डीएवी स्कूल परिसर में शनिवार को डीएवी संस्थापक महात्मा हंसराज की जयंती समारोह के उपलक्ष में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। डीएवी संस्थान के जन्मदाता महात्मा हंसराज के जन्मदिवस को देश विदेश में डीएवी संस्थाएं बड़ी धूमधाम से मना रही है। स्कूल प्राचार्या सुनीता कपूर ने बच्चों को महात्मा हंसराज के जीवन के बारे में बताया गया कि किस प्रकार उन्होंने संपूर्ण जीवन समाज के लिए अर्पित किया। जयंती समारोह के अवसर पर विभिन्न कलात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस मौके पर बच्चों ने स्लोगन, पोट्रेट मेकिंग, चित्र कला, आदि विभिन्न विभिन्न कलाओं से अपनी विलक्षण प्रतिभा का प्रमाण देते हुए महात्मा हंसराज को अपने श्रद्धा सुमन अर्पण किए। कपूर ने बताया कि डीएवी संस्थाये सदैव महात्मा हंसराज की सदैव ऋणी रहेंगे जिन्होंने डीएवी जैसी संस्थाओं की स्थापना की और अपना समस्त जीवन देश के प्रति समर्पित कर दिया।

अंबाला। प्रतियोगिता में हिस्सेदारी करने वाले छात्र। *फोटो : हरिभूमि*

सेना का जवान लापता, एडीएम ड्यूटी के लिए आया था, घर भी नहीं पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

कैंट से सेना का जवान लापता हो गया है। जवान 25 फरवरी को ही 2 कॉर्पस में एडीएम ड्यूटी के लिए आया था। इसके बाद जवान 18 अप्रैल की सुबह सवा 6 बजे बिना बताए कहीं चला गया है। सेना ने जवान के घर पर भी संपर्क किया लेकिन वह वहां भी नहीं पहुंचा। इसके बाद अंबाला छावनी पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाली तोपखाना बाजार पुलिस चौकी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस चौकी को सौंपी शिकायत में सूबेदार मलूक सिंह ने बताया कि वह गांव तेबड़ी जिला गुरदासपुर (पंजाब) हाल यूनिट 193 मध्यम रेजिमेंट फरीदकोट कैंट का रहने वाला है। उनकी पोस्टिंग 2 कॉर्पस कैंप अंबाला कैंट में है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 25 फरवरी 2024 को गांव कलोवाल जिला होशियारपुर का सिपाही डिंपल दीप सिंह भी 2 कॉर्पस में एडीएम ड्यूटी के लिए आया था। डिंपल दीप सिंह 18 अप्रैल की सुबह सवा 6 बजे कैंप से बिना बताए कहीं चला गया। उन्होंने डिंपल के घर पूछा तो पता चला कि वो वहां भी नहीं पहुंचा। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करके आगामी जांच शुरू कर दी है। जांच कर रहे एएसआई चांदी राम कर रहे हैं।

चुनाव पर नारा लेखन में दिखाया हुनर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज केंद्र सरकार के मार्गदर्शन के तहत चुनाव पर नारा लेखन का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को लोकतंत्र के महत्व के प्रति जागरूक किया गया ।कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सीमा कंसल ने बताया की चुनाव पर नारा लेखन का आयोजन एक महत्वपूर्ण कदम है ,जो कि छात्रों को लोकतंत्र के महत्व को समझने और उन्हें राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदारी की भावना विकसित करने में निश्चित तौर पर मदद करेगा ।इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को चुनावी माहौल में विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया गया है जिससे उन्हे देश के भविष्य में भागीदार बनने की प्रेरणा भी मिलेगी। साथ ही इस आयोजन से छात्रों को चुनावी प्रक्रिया में सही तरीके से भागीदारी करने के लिए तैयार किया जाता है जो की एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी गण मौजूद रहे।

अंबाला। नारा लेखन के दौरान मौजूद छात्र व शिक्षक। *फोटो : हरिभूमि*

बराड़ा। प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

निंबध लेखन में वरूण ने बाजी मारी

बराड़ा। एमपीएन कॉलेज में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ ने कानूनी साक्षरता विषय पर कॉलेज स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता करवाई। प्राचार्या डॉ. राजश्री खरे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को कानूनी रूप से जागरूक होने की आवश्यकता है अगर प्रत्येक विद्यार्थी कानूनी रूप से जागरूक होगा तो उसका कभी भी शोषण नहीं हो सकता। इस प्रतियोगिता में कल 18 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में वरुण पहले, विकास दूसरे व किट्टू तीसरे स्थान पर रहे। अंत में विजेता छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अगले दो दिनों में अनाजमंडियों में होगा गेहूं का 50 फीसदी उठान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

प्रदेश के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने शनिवार को वीसी के माध्यम से उपायुक्तों से जिले में चल रही गेहूं खरीद कार्यो की समीक्षा करते हुए उठान से सम्बधिंत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अगले दो दिनों में मंडी में गेहूं की आवक का 50 प्रतिशत उठान करवाना सुनिश्चत करें, ताकि मंडियों में किसी भी प्रकार से समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी एजेंसियां गेहूं खरीद का कार्य कर रही हैं वह अपने-अपने गोदामों में गेहूं का उठान करवाना सुनिश्चित करें। अगले 24 घंटे ये गोदाम खुले रहेंगे। इसके साथ-साथ जहां गेहूं खरीद का कार्य समयबद्ध तरीके से होना चाहिए उसी प्रकार किसानों को उनकी फसलों की अदायगी भी निर्धारित समय अवधि के तहत होनी चाहिए। उन्होंने बैठक के दौरान हर जिले में गेहूं की स्थिति की जानकारी ली। उपायुक्त डॉ. शालीन ने मुख्य सचिव को अवगत करवाया कि जिले की सभी मंडियों में गेहूं खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी है। बीते कल तक सवा लाख क्विंटल गेहूं की आवक हो चूकी है। 30 प्रतिशत उठान हो चुका है। अगले दो दिनों में 20 हजार क्विंटल गेहूं का उठान कर लिया जाएगा। मंडियों में उठान की वजह से किसी तरह की समस्या नहीं होगी। बैठक में डीएफएससी जितेश गोयल, डीएमईओ राजीव चौधरी, डीएम हैफेड अमित कुमार के साथ-साथ अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

स्कूल का डीईओ ने किया औचक निरीक्षण

बराड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डुलियाना का डीईओ सुरेश कुमार ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल में चल रही विभागीय योजनाओं की जानकारी ली। अपने निरीक्षण दौरान उन्होंने कक्षा-कक्ष अवलोकन, बॉयोमैट्रिक हाजरी, उल्लास कार्यक्र म, ड्रॉप आऊट दर घटाने, दाखिला करवाने, बच्चों के हाजिरी रजिस्टर, मिड डे मील योजना व अन्य कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्कूलों को बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन व ड्ारप ऑउट दर शून्य करने पर फोकस कर कार्य करना है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि स्कूलों में बच्चों को मिलने वाली सभी प्रकार की सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं करनी चाहिए। इस मौके पर सब स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

पढ़ाई के साथ खेलों में भाग लेने से होता है शारीरिक विकास

वॉलीबाल प्रतियोगिता पर रेड हाउस का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

शनिवार को शैमफॉर्ड स्कूल के प्रांगण में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया ।इनमें विद्यालय में आए नए बच्चों के लिए एक फ्रेशर पार्टी, विषयगत सभा व इंटर हाउस वॉलीबॉल प्रतियोगिता सम्मिलित थी। सबसे पहले कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं ने विषयगत सभा के द्वारा वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य दिवस के लिए सभी को जागरूक करने का प्रयास किया गया। दूसरी और नौवीं से 12 वीं कक्षा के छात्रों के बीच इंटर हाउस वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस खेल प्रतियोगिता में रेड हाउस ने प्रथम, ग्रीन हाउस ने द्वितीय व ब्ल्यू हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के कलाकृति हॉल में फ्रेशर पार्टी में नए बच्चों ने अपने नृत्य व कविताओं के द्वारा सब का मन मोह लिया। नए बच्चों का बड़े ही रोमांचपूर्ण ढंग से स्वागत किया गया उन सभी के लिए सुंदर-सुंदर कार्ड बनाए गए थे तथा उनके खाने-पीने की व्यवस्था भी की गई थी। अंत में प्रधानाचार्या रूबी शर्मा , उप प्रधानाचार्या सुमन शर्मा व मुख्य अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह के द्वारा सभी नए बच्चों को आगे बढऩे के लिए प्रोत्साहित किया गया।

बराड़ा। खेल से पूर्व खिलाडियों का हौसला बढ़ाते हुए प्रिंसिपल। *फोटो : हरिभूमि*

भाषण प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना महिला कॉलेज परिसर में विधिक अधिकार विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. इंदु विज ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि विधिक अज्ञान के चलते व्यक्ति कानून से भय खाता है और उससे दूर भागता है। विधिक जानकारी के अभाव में व्यक्ति अनजाने में कानून के विपरीत आचरण कर सकता है या कानून से सहायता प्राप्त करने में अक्षम होता है। विधिक रूप से निरक्षर व्यक्ति अपने विधिक अधिकारों का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर पाता इस लिये विधिक साक्षरता कानून से सम्बन्धित इतनी क्षमता से है जो किसी कानूनी समाज में अर्थपूर्ण जीवन जीने के लिए जरूरी हो। डॉ. साधना ने मंच का सफल संचालन करते हुए विधिक संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां छात्राओं के साथ सांझी की। इसमें प्रथम स्थान अनमोल प्रीत, द्वितीय स्थान पर लवलीन कौर और तृतीय स्थान पर जसलीन व वर्ष रही।

विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

हम सभी इस बात को जानते और समझते हैं कि हमारा वजूद पृथ्वी की वजह से ही संभव है। इसके बावजूद हमारी गतिविधियां धरती को लगातार संकटग्रस्त कर रही हैं। इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं और भविष्य में स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। ऐसा ना हो, हमारी धरती और हम सभी सुरक्षित रहें, इसके लिए बिना देर किए हर किसी को प्रयास करने होंगे।

हमारे कारण संकटग्रस्त हो रही है हमारी पृथ्वी

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

जिस धरती मां ने हमें जीवन दिया, प्राणवायु दी, पीने को पानी और खाने को भोजन दिया, आज वही अपनी जीवनरक्षा के लिए जूझ रही है। हम मनुष्यों ने स्वार्थ और सुविधाओं में खोकर इसका बेतहाशा दोहन किया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। हमारी लापरवाही और स्वार्थ के कारण न सिर्फ पृथ्वी का अपने मूल स्वभाव में बने रहना दूभर हो रहा है बल्कि इसकी गति और स्वाभाविक गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।

गति में आ रही बाधा

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वनों की बेतहाशा कटाई, प्राकृतिक संपदा के नासमझीपूर्ण उपयोग और दोहन से धरती के सबसे ठंडे स्थान भी धीरे-धीरे गर्म होने लगे हैं। अंटार्कटिका में बर्फ पिघलने से पृथ्वी की घूर्णन गति में भी कमी आ रही है, जिससे विश्व की घड़ियां भी गड़बड़ा सकती हैं। पृथ्वी हर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड में अपना चक्कर पूरा करती है। इसके घूमने की गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार किसी लड़ाकू विमान जितनी है। पर पृथ्वी का आकार इतना बड़ा है कि हमें इसके घूमने का पता नहीं लग पाता। अंतरिक्ष या उपग्रहों के जरिए पृथ्वी को घूमते हुए देखा जा सकता है।

एक नए अध्ययन में पाया गया कि इसके सर्व निर्देशांकित समय (कोर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) में से एक सेकेंड कम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस अध्ययन के लेखक डंकन एग्न्यू हैं। ये अमेरिका के सेंडियागो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भू-भौतिक विज्ञानी हैं। यह अध्ययन 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नष्ट हो रहे ऑक्सीजन स्रोत

पृथ्वी पर ऑक्सीजन के मूल स्रोत पेड़-पौधे लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसके साथ ही नदियां, समुद्र और जल संग्रह प्रदूषित और विषाक्त होते जा रहे हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएं दिनों- दिन बढ़ रही हैं। पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर वन क्षेत्र में जंगल की आग भड़क रही है। 1901 के बाद फरवरी 2024, दक्षिण भारत में सबसे गर्म महीना रहा है। पिछले दो महीने में दक्षिण भारत के कई राज्यों में अधिकतम, न्यूनतम और औसत तीनों ही तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। इसी के परिणामस्वरूप सर्दियों के मौसम के दौरान भी इन वनों में शुष्क बायोमास की उपलब्धता बहुत ज्यादा है, जिसके कारण आग तेजी से फैल रही है। जंगलों में आग लगने का सबसे आम कारण मानवीय लापरवाही है। इसके अंतर्गत जलती हुई माचिस, सिगरेट के बिन बुझे टोटे को फेंकना, जंगलों में खाना पकाना, जानवरों को मारने के लिए या उन्हें डराने के लिए आग जलाना, शहद इकट्ठा करने के लिए आग लगाना आदि कारण शामिल हैं। प्राकृतिक कारणों में बिजली गिरना भी इसकी एक बड़ी वजह है। 2021 में भारत के कई राज्यों में वन अग्नि की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। साल 2023 में गोवा के वन क्षेत्र में बड़ी आगजनी की घटना हुई। 2024 में अब तक मिजोरम में 3738, मणिपुर में 1702, असम में 1652, मेघालय में 1252 और महाराष्ट्र में 1215 आग लगने की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

बिगड़ रहा है आकार और प्रकार

पृथ्वी पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। इसका असर पृथ्वी की बेस लाइन पर पड़ रहा है और इसका शेप बिगड़ रहा है। हम इतना प्रदूषण फैला रहे हैं कि 2050 तक धरती का तापमान 2 डिग्री और बढ़ जाएगा। ऐसा हुआ तो कहीं भीषण सूखा पड़ेगा तो कहीं विनाशकारी बाढ़ आएगी। ग्लेशियर पिघलकर नष्ट हो जाएंगे तो जाहिर है इसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। बढ़े हुए जल स्तर के कारण कई शहर हमेशा के लिए डूब जाएंगे। आपको जानकर चिंता और हैरानी होगी कि धरती पर समस्त जीवित प्राणियों यानी जल, थल, नभ में रहने वाले पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का कुल भार से, मनुष्य निर्मित चीजों जैसे इमारतों, मशीनों आदि का भार बढ़ गया है। इसका वजन 2040 तक तीन टेराटन हो जाएगा। एक टेरा टन यानी ट्रिलियन टन के बराबर होता है और 1 टन में हजार किलोग्राम होते हैं। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि यह भार कितना ज्यादा होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी हम बेतहाशा करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम भी पृथ्वी को ही भोगना पड़ रहा है।

ऐसे बचाएं अपनी धरती

धरती मां को बचाने के लिए हम सभी को प्रण करना होगा कि अपनी धरती को बचाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें जियो और जीने दो के मूल मंत्र पर काम करना होगा। इसके लिए पशु-पक्षियों का अनावश्यक शिकार रोकना होगा। मांसाहार छोड़कर शाकाहार अपनाना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने का निश्चय करना होगा। पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना होगा। पर्यावरण को गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिए हमें तरह-तरह के उपाय करने होंगे। इसके लिए हमें जीवनशैली को ईकोफ्रेंडली बनाना होगा। इसके तहत बेवजह बिजली का उपयोग यानी बर्बादी रोकनी होगी। जैविक ईंधन यानी पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल की बर्बादी रोकने और इनका उपयोग न्यूनतम करने का प्रयास करना होगा। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग की आदत डालनी होगी। वैज्ञानिकों को भी गैर जैव ऊर्जा का निर्माण करने की ओर प्रयास करने होंगे। हमें अपनी दैनिक आदतों में जीरो वेस्ट नीति अपनाने, पानी के दुरुपयोग को रोकने और कचरे का सही निस्तारण करने जैसी आदतें शामिल करनी होंगी। कुल मिलाकर धरती की सेहत तभी सुधरेगी, जब हम इसका अनावश्यक दोहन करने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने में कामयाब होंगे। *

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहा आइसक्रीम का कारोबार

साल 2022 में, भारत में आइसक्रीम बाजार का आकार 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा था, जबकि अगले पांच सालों में 13.49 फीसदी की सालाना वृद्धि दर का अनुमान है। वैश्विक आइसक्रीम बाजार की बात करें तो साल 2018 में यह 62.4 बिलियन डॉलर था, जबकि साल 2025 तक इसके बढ़कर 97.3 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इन दो तथ्यों से साफ है कि जैसे-जैसे धरती के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, उसी रफ्तार से इंसान में गला तर करने वाली ठंडी चीजों की चाहत बढ़ रही है। इससे साफ है कि नए-नए स्वादों, प्रकारों के चलते क्या विकसित और क्या विकासशील, सभी देशों में आइसक्रीम की मांग बढ़ रही है। आइसक्रीम का ग्लोबल वार्मिंग के साथ महज विरोधाभासी रिश्ता भर नहीं है बल्कि सूक्ष्म स्तर पर ही इससे यह साबित होता है कि बढ़ रही गर्मी की बेचैनी ने इंसान को आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित किया है।

जानकारों की माने तो साल 2024 आइसक्रीम के करोबार के लिहाज से बहुत हॉट होने वाला है, विशेषकर भारत में जहां आशंका है कि इस साल बाकी सालों के मुकाबले 20 से 22 दिनों तक ज्यादा गर्मी पड़ेगी। साथ ही 13 से 17 दिन तक ज्यादा लू चलेगी। ऐसी स्थिति में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का कारोबार बढ़ेगा ही। खासकर तब, जब आइसक्रीम के बाजार में नए से नए एक्सपेरिमेंट भी हो रहे हैं। इसके अलावा आज अपने देश के लगभग सभी बड़े शहरों में इंडियन आइसक्रीम एक्सपो आयोजित होने लगे हैं। इंडियन मैरिज बाजार के अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में शादियों में आइसक्रीम का चलन 20 फीसदी तक बढ़ा है और खान-पान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आइसक्रीम बन गई है। यह भी देखने में आ रहा है कि अब सिर्फ बच्चे ही आइसक्रीम के दीवाने नहीं हैं, अपने देश में होने वाली शादियों में 35 फीसदी से ज्यादा आइसक्रीम बूढ़े और अधेड़ खाते हैं।

डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक दोनों इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते लोगों में गर्मी के एहसास की जो बेचैनी बढ़ी है, उस वजह से लोगों में मीठा और ठंडा खाने की ललक बढ़ रही है। मतलब साफ है कि जब आसमान से आग बरसेगी तो लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित होंगे ही। -नयनतारा

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के सुपर स्टार्स में शामिल हुए हैं तो इसकी वजह है, उनकी पर्सनालिटी में शामिल कुछ विशेष गुण। इन गुणों को सीखकर आप भी अपनी फील्ड में सफल लीडर बन सकते हैं।

लीडरशिप के कई गुण हमें सिखाते हैं महेंद्र सिंह धोनी

मोटिवेशन / अतुल मलिकराम

अपने क्षेत्र विशेष में किसी न किसी व्यक्ति के ऊपर लीडरशिप का जिम्मा होता ही है। मायने यह रखता है कि वह उसे निभाता किस तरह से है? इस लिहाज से सबसे पहले याद आने वाले नामों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल है। धोनी की लीडरशिप क्वालिटीज के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

उदाहरण से लीड करना : उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना धोनी की लीडरशिप की सबसे महत्वपूर्ण खूबियों में से एक है। धोनी के भीतर हमेशा ही अटूट समर्पण, अविश्वसनीय कार्य नीति और अत्यधिक शांत रहकर अच्छा काम करने की कला रही है। निरंतर सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देने की उनकी क्षमता हमेशा ही उनके साथियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

दृढ़ विश्वास से निर्णय लेनाः सामान्य स्थिति से परे, विशेष रूप से दबाव में धोनी की निर्णय लेने की क्षमता तारीफ के काबिल है। चाहे वह एक साहसिक टीम का चयन हो, बैटिंग के ऑर्डर का एडजस्टमेंट हो या फिर एक खेल की दिशा बदलकर रख देने वाला कदम, धोनी ने हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया और दृढ़ विश्वास के साथ निर्णय लिया। इस अटूट आत्म-विश्वास ने न सिर्फ उन्हें सम्मान दिलाया, बल्कि उनकी टीम में आत्मविश्वास भी जगाया। अपने फैसले पर भरोसा करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहसिक निर्णय लेना हम उनसे सीख सकते हैं।

संयम बनाए रखनाः जब दबाव की अधिकता हो, ऐसी स्थिति में धोनी का शांत और संयम वाला व्यवहार सबसे अलग निखरकर आता है। उन्होंने कभी भी स्थिति की गंभीरता को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा ही अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए तर्कसंगत निर्णय लिया और अपनी क्षमता से सभी को चकित किया। धोनी का धैर्य हमें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समभाव बनाए रखना सिखाता है।

विनम्रता से काम लेनाः अपनी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बावजूद धोनी हमेशा ही जमीन से जुड़े और विनम्र बने रहते हैं। वे कभी भी अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को नहीं देते हैं, बल्कि अपनी टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी विनम्रता से काम लेना चाहिए।

अनुकूलनशीलता और नवीनताः बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने की धोनी की क्षमता और उसके अनुसार नई रणनीतियों के प्रति उनका झुकाव उन्हें अन्य सभी लीडर्स की भीड़ से अलग करता है। स्थिति को देखते हुए हमेशा नए तरीकों की तलाश में रहने वाले धोनी, नई रणनीति और तकनीकों के साथ प्रयोग करने से कभी नहीं डरते हैं। सभी लीडर्स में बदलाव को अपनाने का गुण होना चाहिए।

प्रभावी संवादः धोनी के लीडरशिप के गुण में कम्युनिकेशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उनके पास अपने विचारों को स्पष्ट रूप से और संक्षेप में यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझे। लीडर्स को चाहिए कि वे प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स विकसित करने का प्रयास करें, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हो सके, जहां विचारों का स्वतंत्र रूप से प्रवाह हो और सहयोग को बढ़ावा मिले।

सुनने की क्षमता : धोनी के लीडरशिप के गुणों में से एक है शांति से टीम के सदस्यों की बात सुनने की क्षमता। वे हमेशा ही अपनी टीम के सदस्यों की राय को महत्व देते हैं, उनसे मिलने वाली प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए निर्णय लेते हैं। कुशल लीडर में यह कला होनी चाहिए।

दूसरों को प्रेरित करनाः धोनी के पास अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने की अनूठी क्षमता है। वे टीम को अपनी क्षमताओं में विश्वास पैदा कराने का बखूबी हुनर रखते हैं। वे अपनी टीम को चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लीडर के रूप में, हमें चाहिए कि हम अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करने का प्रयास करें।

रोल मॉडल बनेंः धोनी की लीडरशिप की विशेषता उनके रोल-मॉडल बनने संबंधित व्यवहार से भी है। वे अनुशासन और समर्पण के लिए उच्च मानक स्थापित करते हुए, अपनी टीम के सदस्यों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की ताकत रखते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी अपने लोगों को प्रेरित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिए। *

कविता / डॉ. नवीन दवे मनावत

बचाने को धरती

वन सूख रहे हैं
पेड़ तरस रहे हैं पानी को
नदियां कर रहीं विलाप
पर्वत गा रहे दुखड़ा
तुम आओ शकुंतला एक बार।
इनको सहलाने, बहलाने
सुनने को क्षणिक पीड़ा
प्रकृति के साथ एक बार फिर रिश्ता
स्थापित करो
मानव को समझाने के लिए आओ।
हे शकुंतले !
कण्व ऋषि का आश्रम
अब बन गया है
अट्टालिकाओं का शहर
हवन कुंड बन गए हैं
कारखानों की चिमनियां
मंत्र ध्वनियां बन गई हैं युद्ध
की मिसाइलें
धर्म बन गया दानव।
सीता तुम भी आओ वन में एक बार
उज्ज्वल करने वाल्मीकि आश्रम को
समता, ममता स्थापित करने को
लव-कुश तुम रोको
विनाश के अश्वमेध को
तुम्हें बुला रही हैं वहीं पेड़
की टहनियां
जिससे बने थे धनुष और बाण
करने को दमन पाप।
ओ वनपुत्रों तुम रोको
शहर की ओर
बढ़ते कदमों को, सहेजो प्रकृति को
जिसने दिया अनुपम आश्रम
रोको और टोको
रोकना-टोकना जरूरी है
बचाने को धरती
रहने को मानवता...

कहानी

यशोधरा भटनागर

पति के गुजरने के बाद वह अकेली रह रही थीं। चारों बच्चे उनसे दूर अपने-अपने जीवन में मशगूल। बच्चों के स्नेह को तरसती, यादों के सहारे जीती एक वृद्धा की मार्मिक कहानी।

एलबम

बेचैनी और घबराहट भरी खाली-खाली रात के बाद सुबह आई, अलसाई सुबह। किसी काम में मन नहीं लग रहा था। बेमन से ही अपनी दिनचर्या को निभाती हुई बगीचे में लाल गुलाब, मोगरा, हरी-हरी दूब से दो बातें करने चल दीं। जल बिंदु पुष्प पंखुड़ियों पर, हरी दूब पर दमकने लगे, हवा के हल्के से झोंके के साथ मन भी बहने लगा। कमर में खोंसा हुआ मोबाइल निकाल कर, चश्मा ठीक करके एक बार फिर देखा कि कोई फोन तो नहीं...। सामने गुलमोहर पर बुलबुल अपने बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। वे एकटक देखने लगीं और विचारों की एक लंबी कड़ी जुड़ गई... विचार श्रृंखला में उलझा मन। तभी गेट बजा, जरूर 'भूरी' होगी। तंद्रा टूटी, विचारों का ताना-बाना विच्छिन्न हो गया।

अपने सींगों से 'भूरी' गेट टनटना देती है। बिना नागा इसी समय रोटी लेने आती है यह 'भूरो', अपने भूरे रंग से गोमाता ने यह संज्ञा पा ली थी। 'भूरी' के पीछे-पीछे टॉमी भी जूली और चार बच्चों के साथ दुम हिलाते हुए पहुंच गया। सुमी रसोई घर की ओर चल दीं। रात को ही अपनी दो रोटियों के साथ भूरी और श्वान परिवार के लिए भी रोटियां बनाकर रख लेती हैं।

भूरी के सिर पर हाथ फेर, टॉमी को पुचकार वे कमरे में आराम कुर्सी पर बैठ गईं। चाय ठंडी हो गई थी, दो घूंट में गटक ली फिर मोबाइल उठाकर उसमें झांका, कोई मिस्ड कॉल तो नहीं? यूं भी कोई कॉल मिस न हो जाए, वे रात भर सोई ही कहां?

नाश्ता तो बनाना ही होगा, ब्लड प्रेशर की टेबलेट जो लेनी है। उदासीनता ओढ़े हुए, बेसन का घोल तैयार कर, तवे पर दो चीले बना लिए।

इससे जल्दी और सुगमता से शायद और कुछ नहीं बन सकता था। साथ ही अदरक वाली चाय भी चढ़ा ली। वे कभी भी चाय के बिना नाश्ता नहीं करती थीं। इसी बीच फिर मोबाइल में झांक आईं। पहले तो मोबाइल फोन अपने संग ही सहेजे रहती थीं, पर जब से बड़ी ने समझाया तो...। शायद मोबाइल खराब हो गया है...। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि मेरे चारों बच्चों में से किसी ने भी अपनी मां को फोन न किया हो।

पति के गुजर जाने के बाद बड़े-बड़े चार कमरों वाले घर में सुमी अकेली ही रहती थीं। अड़ोसी-पड़ोसी दादी की खोज-खबर लेते रहते थे। उनके अपने सरल-मृदु स्वभाव के कारण वे मोहल्ले भर की 'दादी', 'अम्मा', आंटी बन गई थीं। उनकी अपनी बिटिया की उम्र की रेणु के लिए आंटी से मां हो गई थीं।

फिर भी अपनी संतान को क्षण भर भी नहीं बिसार पातीं, बेटियां तो पराई होती हैं, परवश हैं....। अपना घर-परिवार छोड़कर बार-बार मायके कैसे आ सकती थीं, बड़ी भी और छोटी दोनों समझाती हैं। दिन में दो-तीन बार फोन पर बात कर लेती हैं, पर यह मुआ शनिवार-इतवार काम ज्यादा होता है न, नौकरी वाली हैं दोनों। एक इतवार ही तो मिलता है, उसमें भी ढेरों काम और सब की ढेरों फरमाइश है, पूरी करने में...।

बेटे से बात की थी, आठ दिन हो गए...। खाली मन और खाली हो गया।

चाय के साथ नाश्ता गटक कर, पुरानी भूरे कवर और काले पन्नों वाली एलबम लेकर बैठ गए पहला... दूसरा... तीसरा पृष्ठ... चारों बच्चे उनके साथ उन्हें घेरे हुए बैठे थे और 'छोटी' तो गोद में ही थी, बड़ा गले में बाहें डाले खड़ा था, तुनकमिजाज 'बड़ी' दाहिनी ओर मुंह फुलाए बैठी थी। गोल-मटोल 'छोटा' बलपूर्वक मां की गोद में आने की कोशिश में थोड़ी सी जगह में ही संतुष्टि पा गया था।

एक मुस्कुराहट के साथ उन्होंने अपना चश्मा उतार कर साफ किया और निगाह झाड़ू-पोछा लगाती गुड्डो पर टिक गई, पिछले पांच बरस से यही सारा काम संभाल रही है, पर उन्होंने उसे नौकरानी कभी नहीं समझा। धीरे से बोलीं, 'बेटा मेरे साथ कॉम्प्लेक्स चल न! मेरा मोबाइल ठीक कराना है। देख न, कोई फोन ही नहीं आता इसमें...' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविताओं में मुगल स्त्रियां

पवन करण की कविताओं में स्त्री जीवन के बाह्य और मनोजगत की गहन छवियां पहले भी प्रकट होती रही हैं। लेकिन उनका नया कविता संग्रह 'स्त्री मुगल' इस लिहाज से और विशिष्ट है कि यह मुगलकालीन स्त्रियों पर केंद्रित एक शोधपरक काव्यात्मक दस्तावेज के रूप में सामने आया है। इसमें अनेक ऐसी मुगलकालीन महिलाओं पर मार्मिक कविताएं हैं, जिनके बारे में आम लोग प्रायः न के बराबर जानते हैं। छोटी-छोटी कविताओं के जरिए पवन ने इतिहास में कहीं विलीन हो चुकी महिलाओं को भावनात्मक शब्दांजलि देने का प्रयास किया है। कहने की जरूरत नहीं कि कवि का यह प्रयास भी ऐतिहासिक महत्व का साबित होगा। *

पुस्तकः स्त्री मुगल(कविता संग्रह), **लेखकः** पवन करण, **मूल्यः**299 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि
अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-
- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।
यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

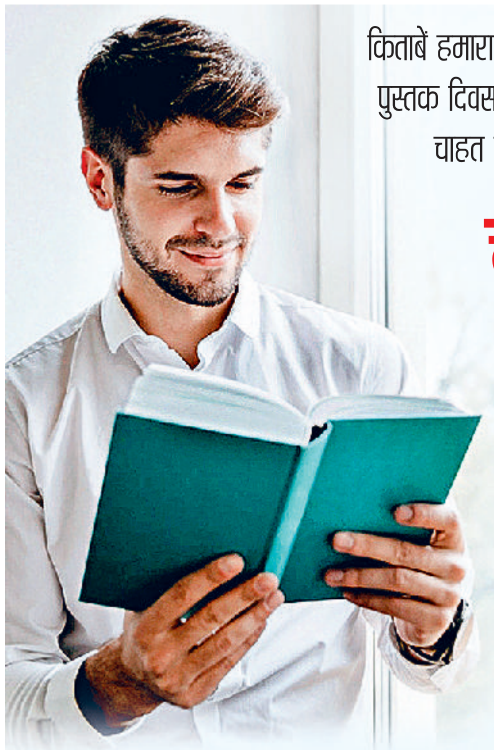

किताबें हमारा सिर्फ मनोरंजन नहीं करतीं, हमें ज्ञान नहीं देतीं बल्कि बेहतर मनुष्य होना भी सिखाती हैं। इसीलिए विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। लेकिन बीते कुछ दशकों से देश-दुनिया में लोग किताबों से दूर होते जा रहे हैं, पढ़ने की चाहत घटती जा रही है। इसकी क्या हैं वजहें, इसके दुष्परिणामों के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए।

चलिए फिर से कर लें किताबों से दोस्ती

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

लाइफस्टाइल / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

अब से तीन दशक पहले सन 1995 में पेरिस में यूनेस्को द्वारा हर वर्ष 23 अप्रैल 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की गई। इसके पीछे का उद्देश्य ज्ञान-विज्ञान की संवाहक के रूप में पुस्तक की महत्ता के बारे में दुनिया को बताना था। अपने देश की बात करें, तो पिछली सदी में नवें दशक के पूर्वार्द्ध तक किताबें ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में अपना दखल रखती थीं। पुस्तकें हम सभी के जीवन में बहुत महत्व रखती थीं। लेकिन हाल के वर्षों में जो रीडरशिप सर्वे हुए, उससे यह तथ्य उभर कर सामने आया कि पुस्तकों के प्रति लोगों की रुचि निरंतर घटती जा रही है। बढ़ती साक्षरता दर के बीच कम होती अध्ययनशीलता, चौंकाने वाली सच्चाई है।

इसलिए बढ़ रही किताबों से दूरी

अध्ययनशीलता का विकास बचपन में ही होता है। लेकिन बाजारवाद के इस दौर में बचपन का अर्थ 'शानदार करियर के लिए संघर्ष' में सिमट गया है। इस वजह से बच्चों को विद्यालय, अभिभावक और ट्यूटरों के दबाव में अनचाहे उबाऊ पाठ्य पुस्तकों में रमना पड़ रहा है। यह स्थिति बच्चों में पुस्तकों के प्रति वितृष्णा पैदा कर देती है और वह स्वाभाविक पाठक नहीं बन पाते। यही वह 'अल्फा पीढ़ी' है, जो टीवी, मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट की दीवानी हो रही है।

किताबों का प्रभाव

वैसे इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल माध्यम की महत्ता से इंकार नहीं कर सकते हैं, लेकिन इनकी एक सीमा है। यह विषय के बाहरी रूप से तो परिचित करा सकते हैं, लेकिन अंतरंग का दर्शन कराने में उतना ही कमजोर हैं। इसके विपरीत किताबें हैं, जिनकी पैनी निगाह से जीवन का कोई भी रंग या आयाम अदृश्य नहीं रह पाता है। मनोविज्ञानियों का स्पष्ट मत है कि पुस्तकें सिर्फ ज्ञान और मनोरंजन का ही साधन नहीं होती हैं, बल्कि यह दिमाग चुस्त-दुरुस्त रखने का श्रेष्ठ माध्यम हैं। यह व्यक्तित्व लचीला बनाती हैं और जीने के नए-नए तरीके सिखाती हैं। दृश्य माध्यम व्यवहार के सामूहिक पक्ष को खारिज करके व्यक्तिवादी पक्ष को प्रबलित करता है। नई पीढ़ी में सामाजिक मूल्यों के प्रति घटती आस्था और स्वहित के लिए कुछ भी करने की प्रवृत्ति इसी की देन है।

विकसित हो रही दुष्प्रवृत्तियां

बच्चे, किशोर और युवा वर्ग पुस्तकों से दूर हुआ है तो इसके दुष्परिणाम भी खूब दिखने लगे हैं। किशोरों और युवाओं में हिंसा, आक्रोश, आक्रामकता, अवमानना, कामुकता जैसी प्रवृत्तियों की हैरतअंगेज स्तर पर वृद्धि हुई है। देश में विगत वर्षों में पुस्तक दिवस पर बुक स्टॉलों पर कुछ खास हलचल नहीं दिखती। फ्रेंडशिप-डे, वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर युवावर्ग में जो उत्साह और खरीददारी की ललक दिखती है, उसका दशांश भी पुस्तक दिवस को समर्पित हो जाए तो क्या कहने!

फिर लौटें किताबों की ओर

पाठक और पठित सामग्री की एकात्मकता संस्कार निर्माण की नींव है। विद्वान विचारकों का अभिमत है कि जीवन में आस्था, विश्वास और मूल्यों की स्थापना की सशक्त स्रोत पुस्तकें ही हैं और यही रहेंगी। इसका विकल्प कोई अन्य माध्यम नहीं बन सकता। प्राचीन विचारकों ने तो यहां तक कहा है कि पुस्तक जहां रखी होती है, वह स्थान विचारों, सिद्धांतों और अवधारणाओं का संगम होता है। हमारी दिमागी क्षमता के लिए पुस्तकें उपयोगी पोषक तत्वों जैसा काम करती हैं। संभवतः इसीलिए कहा गया है कि पुस्तकें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। इस दृष्टि से हमारी दिनचर्या में किताबों की वापसी हमारी प्राथमिकता बननी चाहिए।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सूचना क्रांति के इस दौर और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की चकाचौंध के बीच भी शब्दों की महत्ता न घटी है और न घटेगी। क्योंकि शब्द ही हैं, जो हमें जहां हम हैं, उससे आगे निकलने की राह दिखाते हैं। शब्दों की इसी महत्ता को रेखांकित करके किताबों को पुनः जनाधार देने का उपक्रम है, 'विश्व पुस्तक दिवस।' मगर इस उद्घोषणा का महत्व तभी होगा, जब देश के पुस्तक बाजार में इसको लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखेगी।

पुस्तकों के प्रति घटती जनरुचि के संदर्भ में अकसर उसकी कीमत को दोष दिया जाता है। लेकिन तीन-चार हजार का जूता खरीदने या दोस्तों के साथ फास्ट फूड पार्टी में हजारों रुपए खर्च करने वालों को चार-पांच सौ रुपए की किताबें क्यों महंगी लगती हैं, यह समझ से परे की बात है। वास्तव में मामला महंगाई का नहीं, प्राथमिकता का है। हम महंगे उपहार देते हैं, उसमें एक-दो पुस्तकें क्यों नहीं शामिल की जा सकती हैं? यह महत्वपूर्ण आयोजन तब तक अर्थहीन है, जब तक हम पुस्तकों की तरफ नहीं लौटेंगे। अगर हम संकल्प लें कि रोज कुछ न कुछ पढ़ना है तो इससे बच्चे और किशोर भी प्रेरित होंगे। एक बार यह सिलसिला चल निकलने की देर है, फिर किताबें अपना पुराना मुकाम प्राप्त कर लेंगी। *

ऐसे पड़ी पुस्तक दिवस की नींव

पश्चिमी देशों में पुस्तकें पढ़ने का चलन पिछली सदी में काफी पहले से कम होने लगा था। वहां नवें दशक तक आते-आते युवा वर्ग के व्यवहार में कई तरह के नकारात्मक परिवर्तन दिखने लगे थे। शिक्षाविदों और समाजशास्त्रियों के दबाव में कई सर्वेक्षण हुए, जिससे पता चला कि नई पीढ़ी में किताब पढ़ने की आदत एकदम कम हो गई थी। ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बढ़त बना चुके थे। इसलिए उनके व्यावहारिक जीवन में संवेदना, आत्मनियंत्रण और धैर्य का स्तर काफी कम हो गया था। सर्वेक्षणों से यह निष्कर्ष भी निकला कि जो किशोर साहित्य नहीं पढ़ते, कंप्यूटर खेलों और छोटे पर्दे के साथ अपना समय निकाल देते हैं, वे संवेदना, सौंदर्यबोध और कल्पना के मामले में कमजोर हो जाते हैं। एक तरफ युवा वर्ग में मूल्यों का संकट बढ़ रहा था तो दूसरी ओर पुस्तकों के अस्तित्व पर खतरे के बादल मंडरा रहे थे। इस बात से चिंतित स्पेन की सरकार ने किताबों के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने की दृष्टि से 'यूनेस्को' को एक प्रस्ताव भेजा। इसके पूर्व 'अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ' भी पुस्तकों के घटते जनाधार को संभालने के लिए यूनेस्को को आगे लाने का प्रयास कर चुका था। परिणामस्वरूप विचार-विमर्श के बाद विलियम शेक्सपियर और स्पेन के लोकप्रिय लेखक मीगुयेल डी सर्वेंटाइन की पुण्यतिथि 23 अप्रैल को प्रतिवर्ष 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने का फैसला लिया गया।

सीख लें कुछ नया संवर उठेगा जीवन

अनेक अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि नई-नई स्किल सीखने से जीवन में नयापन, सकारात्मकता आती है और सफलता की नई राह खुलती है। 21 अप्रैल विश्व नवाचार और रचनात्मकता दिवस पर हम बता रहे हैं, नई स्किल सीखने के फायदे।

सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन

नयापन हर किसी को भाता है। इसकी वजह है कि हम सब दैनिक उपयोग की पुरानी चीजों, पुराने कपड़ों, पुराने फैशन और पुराने रूटीन से कई बार ऊब जाते हैं और जिंदगी में कुछ नयापन चाहते हैं। नवाचार और रचनात्मकता हमें उत्साह और ऊर्जा तो देती ही है, हमें इनसे आंतरिक खुशी, आत्मविश्वास और जीवन में नई सफलताएं भी मिलती हैं। आप भी चाहें तो कोई नई स्किल सीखकर जिंदगी में नई ताजगी ला सकते हैं, नई राह खोल सकते हैं।

वाद्य यंत्र बजाना

दुनिया में कई शोध हो चुके हैं, जिनके नतीजे बताते हैं कि वाद्य यंत्र बजाने से मनोरंजन के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता भी बढ़ती है। मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, वाद्य यंत्र सुनने से ही नहीं बजाने से भी मन को सुकून मिलता है। इससे अवसाद, तनाव और उदासी से भी मुक्ति मिलती है। साथ ही जो विद्यार्थी वाद्य यंत्र बजाते हैं या सुनते हैं उनकी मेमोरी शार्प होती है और पढ़ाई-लिखाई में एकाग्रता भी बढ़ती है।

नई भाषा सीखना

आज दुनिया एक ग्लोबल विलेज बन चुकी है। इंटरनेट के जरिए या फिर वास्तविक रूप में भी दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक हमारी पहुंच आसान हो चुकी है। हम विदेशों में अपने दोस्त बना रहे हैं, पर्यटन करने या पढ़ने के लिए विदेश जा रहे हैं और विदेश से व्यापार भी खूब हो रहा है। ऐसे में विदेशी भाषा सीखना बेहद फायदेमंद होगा। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि एक से ज्यादा भाषा सीखने वालों की बौद्धिक क्षमता, याददाश्त और एकाग्रता का स्तर बढ़ जाता है। साथ ही यह एक अतिरिक्त योग्यता भी होगी और विदेश में स्टडी या जॉब भी आसान बनाएगी।

स्पीड रीडिंग

हो सकता है, आप सोच रहे हों कि रीडिंग भी भला सीखने की चीज है? लेकिन स्पीड रीडिंग वाकई एक उपयोगी स्किल है। इसमें आप जल्दी-जल्दी पढ़ना और पढ़े हुए को आत्मसात करना सीखते हैं। इससे आपका समय बचता है और आप कम समय में ज्यादा पढ़ सकते हैं। जाहिर है, इससे छात्रों को स्टडी में काफी फायदा होगा। इस कला में आप किसी लेख, कहानी या टेक्स्ट के बिंदु बनाने और उसे संक्षेप में लिखकर या चंद वाक्यांशों में लिखकर याद करने की कला भी सीख सकते हैं।

आर्ट ऑफ जगलिंग

आपने किसी सर्कस या टीवी शो में जोकर को एक साथ कई गेंदों को ऊपर उछाल कर दोनों हाथों से एक-एक कर पकड़ना और फिर से उछालने का कमाल देखा होगा। यह कला जगलिंग कहलाती है। जगलिंग सीखने और इसका अभ्यास करने से बौद्धिक क्षमता और एकाग्रता बढ़ती है।

कुकिंग आर्ट

उम्र का बंधन किसी भी स्किल को सीखने के लिए नहीं होता है। आज की तारीख में दुनिया में कई बुजुर्ग ही नहीं बच्चे भी लजीज व्यंजन न सिर्फ पका रहे हैं बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सिखाकर सेलिब्रिटी शेफ जैसा दर्जा पा चुके हैं। हेल्दी और सेफ कुकिंग एक कला है, जो आपको डिसिप्लिंड और ऑर्गेनाइज्ड रहना सिखाती है। साथ ही आपको टीमवर्क, माइंडफुलनेस प्लानिंग और हेल्थ कॉन्शस होना भी सिखाती है।

डिजिटल स्किल

दुनिया पूरी तरह डिजिटल हो चुकी है। कम्युनिकेशन, पढ़ाई, लिखाई, काम-काज, पेमेंट लेना या देना या शॉपिंग लगभग सब कुछ डिजिटल हो चुका है। जाहिर है, आज की दुनिया में आपको एक समझदार और सजग नागरिक बनना हो या करियर की राह पर सफल होना हो तो आपकी डिजिटल स्किल का लेवल बढ़िया होना चाहिए। संभव हो तो आपको कोडिंग भी सीखनी चाहिए। इससे आपकी टेक्नोलॉजी की समझ बढ़ेगी और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल भी इंप्रूव होगी। *

बहुत मुश्किल नहीं डर को हराना

किसी न किसी चीज या स्थिति से डर तो सबको लगता है। लेकिन कुछ मनोवैज्ञानिक तरीकों से अपने डर को हराया जा सकता है। यकीन मानिए, ऐसा करना बहुत कठिन भी नहीं है।

साइकोलॉजी / विवेक कुमार

डर कितना ही बड़ा क्यों न हो, उस पर जीत पाई जा सकती है, बस उसके लिए हमें कुछ मनोवैज्ञानिक तौर-तरीकों से गुजरना होता है। वैसे डर को लेकर समाज में बहुत गलत धारणाएं फैली हुई हैं। आमतौर पर लोगों का मनोविज्ञान यह है कि डरपोक लोगों को डर ज्यादा लगता है और बहादुर लोग डरते नहीं। यह सही बात नहीं है। डर एक जन्मजात और शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। इसका हमारे हिम्मती या गैरहिम्मती होने से कोई लेना-देना नहीं होता बल्कि अगर कोई व्यक्ति डरता है तो इसका मतलब यह है कि उसके शरीर में स्वाभाविक प्रतिक्रिया हो रही है। लेकिन जैसे हर चीज की एक सीमा होती है, डर की भी एक सीमा होती है। अगर डर उस सीमा के आगे बढ़ जाए तो वह डर नहीं रहता। इसलिए सीमा से आगे बढ़ा हुआ डर नुकसानदायक होता है और उसके निवारण की जरूरत होती है।

संभव है डर से छुटकारा: जब भी डर के बारे में सोचें तो यह मानकर चलें कि डर कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, उससे छुटकारा पाना संभव है। हम सब बचपन में अंधेरे से डरते हैं, कॉकरोच से या छिपकली से डरते हैं। ऊंचाई से भी डरते हैं और ये सिर्फ बच्चों की बात नहीं है, बड़े होने पर भी बहुत लोग इन सब चीजों से डरते हैं। लेकिन अगर इन सभी चीजों को धीरे-धीरे प्रैक्टिस से समझें तो डर दूर हो जाता है। दरअसल, डर से हमारी मुलाकात जन्म लेते ही हो जाती है। पैदा होने के बाद से ही किसी भी शिशु में असुरक्षा की भावना आ जाती है। भूख लगने पर वह जोर-जोर से रोने लगता है। रोना दरअसल, उसकी असुरक्षा की अभिव्यक्ति है। इसलिए जब भी उसे भूख लगती है, वह रोने लगता है। लेकिन पेट भरा होने पर नहीं रोता। ऐसे ही बिस्तर गीला हो जाने पर भी रोता है, लेकिन गीले बिस्तर से मां उठा ले तो वह चुप हो जाता है। यानी, हम जैसे ही अपने सुरक्षातंत्र में पहुंच जाते हैं, भय खत्म हो जाता है।

ऐसे मिलेगी भय से मुक्ति: किसी भी डर से छुटकारा वैज्ञानिक तरीके की परवरिश से ही मिलती है। जैसे हम अंधेरे में डरते और अंधेर में उजाला हो जाए तो डर दूर हो जाता है। ठीक इसी तरह हमारा कमजोर दिल-दिमाग जिन सवालों के जवाब नहीं ढूढ़ पाता है, उससे हमें डर लगता है। इसमें मां-बाप की भी भूमिका होती है। अकसर मां-बाप छोटे बच्चों को शरारत न करने के लिए छोटी-छोटी बातों से डराते रहते हैं। जैसे-बाबा आएगा और झोली में डालकर ले जाएगा। छोटे बच्चे इस वजह से किसी भी अंजान व्यक्ति को देखते ही डर जाते हैं। लेकिन बड़े होने पर पता चलता है कि उनका डर बेबुनियाद था। इसलिए बच्चों की परवरिश में ऐसी झूठी बातों के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

अधिकांश होता है भविष्य का डर : डर आमतौर पर भविष्य से जुड़ा होता है। मैं लिफ्ट में जाऊंगा तो कहीं फंस ना जाऊं। मैं मीटिंग में सबके सामने बोलूंगा तो कहीं गलती तो नहीं हो जाएगी, लोग मुझ पर हंसेंगे तो नहीं। ये ऐसे डर हैं, जो आमतौर पर हम सबको लगते हैं और हम इनके बारे में सोच-सोचकर डरते रहते हैं। अगर हमारे मन में किसी तरह के संक्रमण की आशंका बैठ जाए, तो एक छींक आते ही हम बहुत डर जाते हैं, लगता है हमें इस संक्रमण ने जकड़ लिया। इंटरव्यू देने जाते वक्त हम इसलिए डर जाते हैं कि हमारे मन में ऐसे सवालों की चेन चलती रहती है, जो सवाल अभी तक हमसे न तो पूछ गए हैं और हो सकता कभी न पूछे जाएं। खुद ही हम इंटरव्यू देने जाने के समय डर जाते हैं। हम या तो बिना किसी वजह के डरते हैं या राई का पहाड़ बना लेते हैं। अगर हमारे मन में यह भाव मजबूती से बैठा हो कि जब कोई बात सामने आएगी, तब देखी जाएगी, तो हमें भविष्य से कभी डर ही नहीं लगेगा।

डर की कल्पना से बचें: मन बहुत कल्पनाशील होता है, इसलिए मामूली चीजें भी कई बार बहुत बड़ी समस्या बन जाती हैं। खतरा न होते हुए भी खतरे की घंटी सुनाई पड़ने लगती है। तभी तो मन रस्सी को कल्पना करते ही सांप समझ लेता है। दूसरी तरफ जो कल्पना से नहीं डरता, जिसमें डरावनी भावनाएं नहीं होतीं वो डरावनी परिस्थिति का भी जमकर मुकाबला करता है। मतलब यह कि डर जितना होता है, उससे कहीं ज्यादा हमारी कल्पना से बढ़ जाता है। इसलिए डर की कल्पना से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात

पूजा सामंत

अपने दौर की स्टार हीरोइन मीनाक्षी शेषाद्रि, शादी बाद अमेरिका में सेटल हो गई थीं। वह सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं, फिर से फिल्मों में काम करेंगी। मीनाक्षी अब किस तरह के रोल करना चाहेंगी? फिल्म इंडस्ट्री में वह क्या बदलाव देख रही हैं? क्या वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी काम करना पसंद करेंगी? मीनाक्षी शेषाद्रि से बहुत खुलकर बातचीत।

मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे : मीनाक्षी शेषाद्रि

मीनाक्षी शेषाद्रि ने मनोज कुमार निर्मित फिल्म 'पेंटर बाबू' से 1983 में फिल्मों में कदम रखा था। उसी वर्ष मीनाक्षी की जैकी श्रॉफ के साथ निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने मीनाक्षी और जैकी को रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद मीनाक्षी ने कई सुपरहिट फिल्में दीं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जितेंद्र, ऋषि कपूर, गोविंदा, विनोद खन्ना, राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे नामी स्टार्स के साथ काम किया। 1995 में मीनाक्षी ने इंवेस्टमेंट बैंकर हरीश मैसूरे के साथ विवाह कर लिया और उनके साथ अमेरिका में सेटल हो गईं। सत्ताइस वर्षों बाद वह भारत लौटी हैं। उन्होंने एक फिल्म साइन की है। पेश है मीनाक्षी शेषाद्रि से हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

आपकी शुरुआती दो फिल्मों ने रिलीज के चालीस वर्ष पूरे कर लिए हैं। विवाह के बाद आप अमेरिका में सेटल हुईं। आपकी बॉलीवुड में वापसी पूरे सत्ताइस वर्षों के बाद हो रही है। अपने कमबैक को लेकर आप क्या कहेंगी?

हां, 'पेंटर बाबू' और 'हीरो' मेरी ये दोनों फिल्में 1983 में रिलीज हुई थीं। इनके चार दशक पूरे होने की मुझे बहुत खुशी है। फिल्म 'हीरो' ने मुझे स्टारडम दिलाया। फिल्म 'पेंटर बाबू' मुझ जैसी न्यूकमर को लाइमलाइट में लाई। इसके बाद राजकुमार संतोषी जी की 1993 में फिल्म 'दामिनी' रिलीज हुई थी, उसके बाद 1996 में 'घातक' रिलीज हुई। मेरे करियर की ये आखिरी दो फिल्में थीं। 1995 में मेरी शादी हुई फिर मैं अपने वैवाहिक जीवन में बिजी हो गई। बेटी केंद्रा, जो इस वक्त पचीस वर्ष की है, पढ़-लिखकर जॉब कर रही है। बेटा जोश इक्कीस वर्ष का है। उसने अपनी पढ़ाई अभी-अभी पूरी की है। कुल मिलाकर एक मां, एक पत्नी और गृहिणी के रूप में मैंने अपना दायित्व संतोषजनक ढंग से निभाया। जब मैं विवाह के बाद अमेरिका गई तो यह बात मेरे जेहन में हमेशा रही कि उम्र के किसी भी पड़ाव पर मैं अपने देश लौटकर अभिनय करना चाहूंगी। अभिनय मेरा पैशन है। यह पैशन अब पूरा करना चाहूंगी। हालांकि अपने परिवार को अमेरिका छोड़कर भारत आने का डिसीजन मेरे लिए आसान नहीं था। मैंने यह बहुत बड़ा कदम उठाया है। अब यहां मुंबई आई हूं तो परिवार को बेहद मिस भी करती हूं। देर रात मैं अपने बच्चों और परिवार से बात करती हूं।

अब आप फिल्मों में किस तरह के रोल करना चाहेंगी?

मैं किस तरह के किरदार निभाना चाहूंगी, यह अभी तय नहीं किया है। मैंने एक प्रोजेक्ट साइन कर लिया है, उसके बारे में अभी कुछ बता नहीं सकती। बहुत जल्द इसकी अनाउंसमेंट होगी। अब फिल्म इंडस्ट्री बहुत बदल चुकी है। फिल्मों की कहानियां और किरदार भी बहुत बदल चुके हैं। मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे। मुझे अहसास हो कि मेरा कमबैक खास है, फ्रूटफुल है। मैंने यहां काम करने के लिए खुद को सरेंडर कर दिया है। अभी तो मैं कोरी स्लेट हूं। देखते हैं, फिल्म मेकर्स मुझे किस तरह के किरदार ऑफर करते हैं। आज की एक्ट्रेसेस फिल्मों में महज शो पीस नहीं बनतीं, उनके लिए स्ट्रॉन्ग रोल लिखे जाते हैं, फिर चाहे वो फिल्म, टीवी हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म।

आप सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं। इंडस्ट्री में आप किन बदलावों को महसूस कर रही हैं?

सबसे बड़ा और सुखद बदलाव सेट पर वैनिटी वैन का मौजूद होना है। मेरे दौर में वैनिटी वैन नहीं होती थी। धूप, धूल में शूटिंग के बाद ड्रेस चेंज करने की कोई प्रॉपर जगह नहीं रहती थी। बड़े नामी स्टूडियोज के मेकअप रूम गंदे रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस दौर की अभिनेत्रियों के लिए बहुत बड़ी सुविधा है वैनिटी वैन। स्टार के पेमेंट का स्तर भी बढ़ा है। इस तरह फिल्म इंडस्ट्री का पूरा ढांचा ही बदल गया है।

ओटीटी इस वक्त फिल्मों के लिए टफ कॉम्पिटिशन बन चुका है। आप कितनी तैयार हैं ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए, जहां नेगेटिव रोल और स्टोरीज ट्रेंडिंग हैं?

आय एम हियर टू सरप्राइज एवरीवन! मैं नेगेटिव रोल करूंगी या नहीं, यह तो रोल पर डिपेंड करेगा, अभी से कैसे बताऊं? पॉजिटिव, नेगेटिव का कॉम्बिनेशन कर सकती हूं। ग्रे शेड्स वाले रोल भी सोच सकती हूं।

आपने बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया, उनके साथ आपके फिल्म करने के एक्सपीरियंस कैसे रहे?

हर एक्टर के साथ मेमोरीज शेयर करने के लिए शायद एक इंटरव्यू कम पड़ जाएगा। हां, जिनके साथ मेरी बहुत बनी, वो थे विनोद खन्ना। जब वह शिखर पर थे, सब कुछ छोड़कर आचार्य रजनीश के आश्रम में चले गए, कुछ वक्त बाद वो वापस भी आए। इंडस्ट्री ने उनका स्वागत किया। उनकी वापसी के समय मुझे उनके साथ पांच-छह फिल्में करने का मौका मिला। रजनीश आश्रम से लौटे विनोद जी के पास इतना आध्यात्मिक ज्ञान हो चुका था कि उनसे बातचीत करना एक ग्रेट एक्सपीरियंस होता था। जब मेरी शूटिंग विनोद जी के साथ होती थी। मेरे पापा भी मेरे साथ आते थे, खासतौर पर उनकी आध्यात्मिक बातें सुनने। विनोद जी, मैं और पापा घंटों बतियाते थे। उनसे हमारी बहुत अच्छी मित्रता थी। गोविंदा, इंडस्ट्री के वो सितारे हैं, जो वर्सेटाइल हैं। उनसे भी हमारा बहुत प्यारा रिश्ता रहा। ऋषि कपूर जी के साथ भी मैंने पांच फिल्में कीं। वह बहुत दिलचस्प इंसान और कमाल के एक्टर थे। आज जब मैं रणबीर को देखती हूं, मुझे लगता है उनमें अपने पिता की पूरी झलक है, लेकिन पिता पुत्र में तुलना नहीं होनी चाहिए। *

भारत और अमेरिका की लिविंग स्टाइल में अंतर

यूएसए की लिविंग स्टाइल चकाचौंध भरी है। डॉलर्स में मिलने वाली सैलरी से वहां के लोगों का स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई है। वहां की लेडीज काफी फैशनेबल हैं। लगता है मानो अभी-अभी ब्यूटी पार्लर-सैलून से निकली हों। फैशन, हाई स्टैंडर्ड ऑफ लाइफ वहां एक कॉमन बात है। हां, अमेरिका में रहने का मेरे लिए फायदा यह रहा कि मैंने वहां काफी कुछ जाना-सीखा, जो मैं भारत में नहीं कर पाई थी। यहां तो मैंने फिल्मों में बतौर अभिनेत्री काम किया, जहां मेकअप, हेयर स्टाइल, डांस सिखाने के लिए सेट पर लोग होते हैं। कोई सीन कैसे किया जाए, यह बताने वाला डायरेक्टर होता है। घर पर मां-पिताजी होते हैं, जिस वजह से मैं पैंपर्ड होती रही। अमेरिका में जाने के बाद अपने परिवार के लिए खाना बनाना, ड्राइविंग सीखना, अपने फाइनेंस को मैनेज करना, ये सारे काम मैंने सीखे, जो वहां के लिए जरूरी थे। मैंने वहां स्विमिंग सीखी, जो फिटनेस के लिए थेरैपी बनी, पर्सनली मेरी ग्रोथ हुई। इस तरह वहां की रूटीन लाइफ ने मुझे इंडिपेंडेंट और बहुत स्मार्ट बनाया। भारत में होती तो शायद ये सब काम नहीं सीख पाती। एक बात की कमी मैंने वहां बहुत महसूस की, वह है अपनापन। हम सबकी मदद करें, यह अपने देश की सभ्यता-संस्कृति का हिस्सा है। भारत के लोग बिना मांगे दूसरे की मदद करते हैं। अमेरिका में किसी की मदद करने का कल्चर नहीं है। यहां तक कि वहां अपने किसी दोस्त के घर जाना है तो पहले उसकी भी अपॉइंटमेंट लेनी पड़ती है। यह सोचना पड़ता है कि कहीं उनकी प्राइवेसी में हम कोई दखलअंदाजी तो नहीं कर रहे हैं। मैं भारत में अपनी किसी भी सहेली के घर कभी भी जा सकती हूं। हक के साथ कह सकती हूं, 'चल, यार एक कप चाय पिला।' मैं अमेरिका में इंडियन लाइफस्टाइल, यहां की खुशमिजाजी, मददगार लोग बहुत मिस करती हूं।